सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 145 | जौनपुर,सोमवार, 13 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे युवा पीढ़ी पर पुरा भरोसा

नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरा देश स्वामी विवेकानंद को याद कर रहा है, उन्हें नमन कर रहा है। स्वामी विवेकानंद को देश के युवाओं पर बहुत भरोसा था। पीएम मोदी ने कहा, स्वामी जी कहते थे कि मुझे युवा पीढ़ी पर भरोसा है, नई पीढ़ी पर भरोसा है। स्वामी जी कहते थे, मेरे कार्यकर्ता युवा पीढ़ी से आएंगे... जैसे विवेकानंद जी को आप पर भरोसा था, मुझे भी विवेकानंद जी पर भरोसा है। मुझे उनकी कही हर बात पर भरोसा है।श बकौल प्रधानमंत्री मोदी, स्वामी विवेकानंद ने भारत के युवाओं के लिए जो भी सोचा और कहा है, उस पर मुझे पूरी आस्था है। पीएम मोदी ने कहा, श्अगर हमारे हर निर्णय, कदम और नीति का मार्गदर्शन शविकसित भारतश का विचार करे तो दुनिया की कोई भी ताकत हमें विकसित होने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि आज भारत के युवाओं की ऊर्जा ने भारत मंडपम को जोश से भर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, समय के चक्र को देखिए। इसी भारत मंडपम में, जहां आप सब एकत्र हुए हैं, वैश्विक नेता विश्व के भविष्य पर चर्चा कर रहे थे। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं आज उसी स्थान पर हूं, जहां देश के युवा भारत के अगले 25 वर्षों का रोडमैप तैयार कर रहे हैं। अपना संस्मरण सुनाते हुए पीएम मोदी ने कहा, श्कुछ महीने पहले, मैं अपने निवास पर युवा एथलीटों के एक समूह से मिला, और उनमें से एक ने खड़े होकर कहा, श्मोदी जी, आप दुनिया के लिए भले ही प्रधानमंत्री हों, लेकिन हमारे लिए प्रधानमंत्री का मतलब श्परम मित्रश है। मुझे आप पर बहुत भरोसा है। यह विश्वास ही है जो विकसित भारत युवा नेता संवाद को आगे बढ़ाता है। मेरा विश्वास है कि भारत के युवाओं की ताकत से भारत जल्द ही एक विकसित राष्ट्र बनेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को भारत मंडपम पहुंचे। यहां उन्होंने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में प्रतिभागियों के साथ मुलाकात की। कार्यक्रम बिना किसी राजनीतिक संबंध वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के उनके प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम

स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने युवाओं से 2047 के विकसित भारत के रोड मैप पर उनके विचारों को जानने की कोशिश भी की। भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रधानमंत्री ने युवाओं के साथ महिला सशक्तिकरण, विकसित भारत, डिजिटल भारत, खेलों में श्रेष्ठता जैसे 10 विषयों पर प्रेजेंटेशन भी देखे। कार्यक्रम में देश निर्माण के 10 विषयों पर 2047 में विकसित भारत के लिए उनके विजन को सम्मिलित किया गया। इसे युवाओं की राजनीति की पाठशाला कहा जा सकता है। सरकार के मुताबिक इस आयोजन का मकसद युवा नेतृत्व का विकास करना है, जो देश के विकास के विजन को प्रमुखता देते हुए राजनीति में आगे बढ़े इस युवा महोत्सव को युवा के लिए युवाओं द्वारा युवा संकल्प के साथ पेश किया गया है। यह केवल एक आयोजन नहीं बल्कि अभियान है, युवाओं को सशक्त करने, उनकी नेतृत्व क्षमता व्यावहारिक विचार जो कि विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप है। युवाओं को महोत्सव में उनकी योग्यता के अनुरूप प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस बार राष्ट्रीय युवा महोत्सव सांस्कृतिक आदान–प्रदान और युवा ऊर्जा का प्रतीक रहा है, देश निर्माण और विकास के विजन में भी सम्मिलित हो रहा है। भारत मंडपम पहुंचने से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वे विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं से उनकी मुलाकात होगी, उनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संस्कृति और अन्य चीजों के प्रति काफी जुनून है। बयान में कहा गया है कि आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा महोत्सव को पारंपरिक तरीके से आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है। यह बिना किसी राजनीतिक संबद्धता वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के विचारों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के संबंध में हैं। इससे पहले, विकसित भारत युवा नेता संवाद के दूसरे दिन विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज हस्तियों ने भारत मंडपम में जुटे युवाओं को बताया कि टेक्नोलॉजी आज की महती जरूरत है। इसलिए उन्हें इसमें खुद को लगातार अपग्रेड करना होगा। विकसित भारत के रोडमैप पर चर्चा के दौरान युवाओं से भारत को स्टार्टअप राजधानी बनाने का आह्वान भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण व मानवता की सेवा के लिए प्रेरित किया। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी विरासत दुनिया भर में अनगिनत लोगों को प्रेरित करती रही है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। राष्ट्रपति ने कहा, मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं। स्वामीजी भारत के महान आध्यात्मिक संदेश को पश्चिमी दुनिया तक ले गए। उन्होंने भारत के लोगों में एक नया आत्मविश्वास भरा। मुर्मू कहा कि उन्होंने युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने, राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर नमन किया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया और सभी लोगों को ''राष्ट्रीय युवा दिवस'' की शुभकामनाएं दी। योगी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व को यह दिखाया कि हिंदू धर्म मानवता का सच्चा मार्गदर्शक है। योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। सनातन संस्कृति को वैश्विक पटल पर पुनर्स्थापित करने वाले महान युवा संन्यासी, युग प्रवर्तक चिंतक, युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन एवं राष्ट्रीय युवा दिवस की सभी को हार्दिक बधाई।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, ''उन्होंने (स्वामी विवेकानंद) विश्व को यह दिखाया कि हिंदू धर्म मानवता का सच्चा मार्गदर्शक है। आइए, राष्ट्रीय युवा दिवस पर उनके विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण हेतु संकल्पित हों।'' प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को ''राष्ट्रीय युवा दिवस'' मनाया जाता है। यह दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती है, जिन्हें युवाओं के लिए प्रेरणा माना जाता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र की आर्द्रभूमियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र में वेटलैंड्स के संरक्षण का मुद्दा अपने आप उठाया और भारत में 2.31 लाख से अधिक वेटलैंड्स की सुरक्षा के लिए पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्देश की निगरानी के लिए एक कानूनी सलाहकार नियुक्त किया। दिसंबर, 2024 को, शीर्ष अदालत ने 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी आर्द्रभूमियों का सीमांकन करने के लिए भारत भर के राज्य आर्द्रभूमि अधिकारियों को तीन महीने की समय सीमा दी। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद, इन आर्द्रभूमियों को कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित उच्च न्यायालयों को इस मुद्दे की निगरानी करने के लिए भी कहा था। शीर्ष अदालत के निर्देश के लगभग एक महीने बाद, बॉम्बे हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने वकील जनक द्वारकादास को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उन मुद्दों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत नोट दाखिल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्णय लेने की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय ने केंद्र, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, राज्य पर्यावरण, वन और राजस्व मंत्रालयों के साथ–साथ महाराष्ट्र वेटलैंड्स प्राधिकरण को भी नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने अपने निर्देश में कहा था कि 2017 से पहले, भारत में 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली आर्द्रभूमि की संख्या के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा दिए गए ।

अमित शाह नें जेएलएन स्टेडियम में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को किया संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली के जेएलएन स्टेडियम में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित किया। गृह मंत्री ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी–झोपड़ियों में गरीबों की पीड़ा के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र पत्थर का लकीर होता है। ये मोदी की गारंटी होती है, जिसको जमीन पर उतरना ही है। भाजपा का घोषणा पत्र आप–दा के घोषणा पत्र जैसा नहीं होता। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि आप–दा का घोषणा पत्र सिर्फ झूठ होता है और हम जो कहते हैं वो करते हैं और हम वही कहते हैं जो कर सकते हैं। मैं आज यहां आपको ये कहने के लिए आया हूं कि आप दिल्ली के मुक्तिदाता बन सकते हैं। आप दिल्ली को कई सारी आपदाओं से मुक्त करा सकते हैं और मेरी बात गांठ बांध कर जाना– 5 फरवरी... दिल्ली का आप–दा से मुक्ति का दिन है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने झुग्गीवासियों के दर्द, असुविधा और वादे तोड़ने के खिलाफ गुस्से को सुना है। उन्होंने आपकी सभी समस्याओं की एक सूची बनाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री मोदी को दी है। हमारा घोषणा पत्र आपको आपकी सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाएगा। बीजेपी का घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया, अन्ना हजारे जैसे संत पुरुष को आगे करके सत्ता पर काबिज हुए और इन्होंने इतना भ्रष्टाचार किया कि देश में भ्रष्टाचार की रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मैं आज कह रहा हूं आप पार्टी वालों– दिल्ली के आप आप–दा बने हो, दिल्ली की जनता के लिए आप–दा बने हो... यही नहीं, केजरीवाल आप पार्टी के लिए भी आप–दा बन गए हैं। क्योंकि जहां–जहां केजरीवाल जाते हैं, जहां–जहां सिसोदिया जाते हैं... दिल्ली वालों को शराब की बोतल दिखाई देती है। शाह ने कहा कि ये आप–दा 10 साल से दिल्ली के लिए डिजास्टर का काम कर रही है। पूरा देश कहां से कहां से पहुंच गया और दिल्ली और गर्त में चली गई। नल खोलो तो गंदा पानी, खिड़की खोलो तो बदबू, बाहर निकलो तो टूटी सड़क

और छठ मनाओ तो स्नान न कर पाए.. ऐसी यमुना, और सड़कों पर गंदगी का ढेर... दिल्ली को नर्क बनाने का काम ये आप–दा ने किया है। रोहिणी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जिनके अपने घर शीशे के हों, उन्हें दूसरों को पत्थर नहीं मारने चाहिए। संजय सिंह पहले ये बताएं कि अरविंद केजरीवाल किसके घर में रह रहे हैं। आप खुद एक भ्रष्टाचार का पिटारा है। भ्रष्टाचार की जननी के रूप में आप इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल को तुरंत राजनीति से बाहर कर देना चाहिए।

चुनाव लड़ने के लिए आतिशी ने जनता से मांगी मदद

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली की कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहीं आतिशी ने अपने चुनाव खर्च के लिए शनिवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस करके क्राउड फंडिंग कैंपेन लॉन्च किया। आतिशी ने चुनाव लड़ने के लिए जनता से मदद मांगी। सीएम ने कहा कि हम चुनाव के लिए बड़े व्यापारियों से पैसे नहीं लेते। आप सरकार आम लोगों के लिए काम करती है। जनता के सपोर्ट और सहयोग से ही मैं कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लडूंगी। चुनाव लड़ने के लिए 40 लाख रुपये की जरूरत हैं। क्राउड फंडिग अभियान का समर्थन करें। लोग अपनी इच्छानुसार कोई भी राशि दान कर सकते हैं। क्राउड फंडिंग अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि सीएम आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री ईमानदारी से काम करते हैं। हमने पिछली बार भी देश और दिल्ली की जनता से मदद मांगकर चुनाव लड़ा था और इस बार भी हम जनता के समर्थन और मदद से चुनाव लड़ रहे हैं। मुझे कालकाजी सीट से चुनाव लड़ने के लिए 40 लाख रुपये की जरूरत है। दिल्लीवासी 100 रुपये या 1000 रुपये देकर मदद कर सकते हैं। आतिशी ने इस बात पर जोर दिया कि आम आदमी पार्टी (आप) ने हमेशा अपने चुनाव अभियानों के लिए जनता के चंदे पर भरोसा किया है और बड़े व्यापारियों से पैसा लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने याद किया कि कैसे आप ने पिछला चुनाव लोगों के ष्छोटे दानष से जीता था। आतिशी ने कहा कि जब से आप की सरकार बनी है तब से दिल्ली के आम लोगों ने पार्टी को सपोर्ट किया है। दिल्ली की जनता ने चुनाव लड़ने के लिए चंदा दिया। 2013 में भी लोगों ने चुनाव में छोटे–छोटे डोनेशन दिया। 2013 में जब पहला चुनाव लड़े थे घर घर जाते थे लोग छोटे छोटे डोनेशन देते थे। नुक्कड़ सभा के बाद हम एक चादर फैलाते थे लोग 10 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये लोग उसमें डालते थे। अरविंद केजरीवाल ने शकूरबस्ती के झुग्गी–बस्ती इलाके में प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्हमने देखा कि कैसे उनके (भाजपा) नेता झुग्गियों में सो रहे हैं। वे 5–10 साल नहीं सोए लेकिन पिछले 1 महीने से उनके नेता झुग्गियों में सो रहे हैं। उन्हें झुग्गी वालों से प्यार नहीं है। यह अमीरों की पार्टी है। उन्हें झुग्गी वालों से क्या लेना–देना?

अखिलेश यादव ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर लोगों को संबोधित किया

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर लोगों को संबोधित किया। कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि धर्म से ज्यादा रोटी की जरूरत है। गरीब को धार्मिक बात समझाना गलत होगा। अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर उपचुनाव पर सरकार को घेरा। कहा कि मिल्कीपुर चुनाव में गन पॉइंट पर गड़बड़ की गई तो मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहूंगा, उस समय जो फैसला ले सकते हैं लें। मजबूत दल का साथ दिया जाना चाहिए सपा मुखिया ने कहा कि इस बात को अपने मन में रखें, इंडिया गठबंधन मजबूत है और मजबूत रहेगा। जिस राज्य में भाजपा के खिलाफ जो क्षेत्रीय दल मजबूत है, उसका साथ दिया जाना चाहिए। कन्नौज हादसे पर सरकार को घेरा इससे पहले सपा मुखिया ने कन्नौज

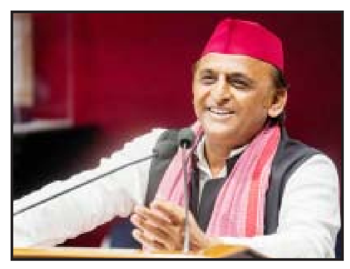

में रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि, रेलवे विभाग का हादसा भाजपा के महा भ्रष्टाचार के महालालच के कारण हुआ है। उन्होंने कमीशन लेकर ठेका देने का आरोप लगाया। कहा कि ठेकेदार ठेका लेकर किसी और को ठेका दे देते हैं। बिना काम किए अपना लाभ कमाकर निकल जाते हैं। ऐसे में आधे से भी कम बचे पैसों में थर्ड क्लास जानलेवा निर्माण कार्य ही होंगे। जिनमें न तो क्वॉलिटी होगी, न ही सिक्योरिटी का ध्यान रखा जाएगा। कन्नौज के रेलवे विभाग का हादसा भाजपा के महा भ्रष्टाचार के महा लालच के कारण हुआ है। जब सारे ठेके कमीशन लेकर दिये जाएंगे, और ठेकेदार भी किसी और को ठेके पर देकर, अपना लाभ काम किये बिना कमाकर निकल जाएगा अखिलेश ने कहा कि इसी के चलते गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों की बुरी तरह उपेक्षा होती है। जिसके परिणामस्वरूप ऐसे हादसे होंगे। सपा मुखिया ने मांग की है ।

महाकुंभ 2025, में आए हुए श्रद्धालुओं हेतु प्रयाग जंक्शन एवं फाफामऊ रेलवे स्टेशन से दिनांक 13 जनवरी एवं 14 जनवरी 2025 को लखनऊ,जौनपुर, अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट हेतु स्पेशल ट्रेन

1. गाड़ी संख्या 04271 फाफामऊ से जौनपुर
यह गाड़ी फाफामऊ रेलवे स्टेशन से समय 13/00 बजे प्रस्थान करेगी एवं जौनपुर रेलवे स्टेशन पर समय 16:50 बजे पहुंचेगी ।
2. गाड़ी संख्या 04293 प्रयाग से लखनऊ
यह गाड़ी प्रयाग जं. रेलवे स्टेशन से समय 20:20 बजे प्रस्थान करेगी एवं लखनऊ रेलवे स्टेशन पर आगमन रात्रि 2:00 बजे रहेगा ।
3. गाड़ी संख्या 04229 प्रयाग जंक्शन से अयोध्या कैंट
यह गाड़ी प्रयाग जंक्शन स्टेशन से रात्रि 21:10 बजे प्रस्थान करेगी एवं अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आगमन रात्रि 01:55 बजे रहेगा।

दिनांक 14 जनवरी 2025 दिन मंगलवार को प्रयाग जंक्शन एवं फाफामऊ से अयोध्या कैंट जौनपुर लखनऊ हेतु स्पेशल ट्रेन

1. गाड़ी संख्या 04223 प्रयाग जंक्शन से अयोध्या कैंट
यह ट्रेन प्रयाग जंक्शन से समय 11:55 बजे प्रस्थान करेगी एवं अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आगमन समय 17:10 बजे रहेगा।
2. गाड़ी संख्या 04271 फाफामऊ से जौनपुर
यह ट्रेन फाफामऊ स्टेशन से समय 13:00 बजे प्रस्थान करेगी एवं जौनपुर स्टेशन पर आगमन समय 16:20 बजे रहेगा ।
3. गाड़ी संख्या 04293 प्रयाग जंक्शन स्टेशन से लखनऊ
यह ट्रेन प्रयाग जंक्शन स्टेशन से समय 20:20 बजे प्रस्थान करेगी एवं लखनऊ स्टेशन पर आगमन समय रात्रि 02:00 बजे रहेगा । 4. गाड़ी संख्या 04229 प्रयाग जंक्शन से अयोध्या कैंट
यह ट्रेन प्रयाग जं. से समय 21:10 बजे प्रस्थान करेगी एवं अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आगमन समय रात्रि 01:55 बजे रहेगा।

वोटर लिस्ट को लेकर सियासत, केजरीवाल ने ईसी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जैसे–जैसे दिल्ली विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक हवा हर गुजरते दिन के साथ गर्म होती जा रही है। मतदाता सूची में अनियमितताओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों सहित फर्जी मतदाताओं के दावों को लेकर भाजपा और सत्तारूढ़ आप एक–दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में अनियमितता के आरोपों के संबंध में मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा। पत्र में लिखा गया है कि भाजपा के केंद्रीय मंत्री और नेता अपने घर के पते पर फर्जी वोट बनवा रहे हैं। उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए। भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के पते पर 33 नए वोट बनाने के लिए आवेदन दिया गया है। अगर बीजेपी प्रत्याशी की मर्जी से ऐसा हुआ है तो प्रवेश वर्मा को तत्काल चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र भगवा पार्टी के प्रवेश वर्मा और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के बीच हाई–वोल्टेज लड़ाई के लिए तैयार है। इस बीच, भाजपा ने शनिवार को बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर आप पर तीखा हमला बोला और आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर आगामी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए देश–विरोधी ताकतों का समर्थन हासिल करने का आरोप लगाया। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में फर्जी वोटों की जांच से पता चला है कि फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने आगे श्साजिशश में आप के दो विधायकों–मोहिंदर गोयल और जय भगवान उपकार के शामिल होने का आरोप लगाया। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने आप विधायक मोहिंदर गोयल और उनके कार्यालय के कर्मचारियों को फर्जी आधार कार्ड दस्तावेजों के मामले में जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा था, जिसमें कुछ बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया था और फर्जी आधार कार्ड बरामद किए गए थे। त्रिवेदी ने कहा कि शराब और स्वास्थ्य धोखाधड़ी से जुड़े घोटालों के बाद आम आदमी पार्टी (आप) की एक नई और खतरनाक प्रवृत्ति सामने आ रही है। दिल्ली में फर्जी वोटों की जांच में खुलासा हुआ है कि फर्जी आधार कार्ड बनाकर बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट बनाए जा रहे हैं और इस साजिश में आप के दो विधायकों–मोहिंदर गोयल और जय भगवान उपकार के हस्ताक्षर भी पाए गए हैं। आम आदमी पार्टी देश विरोधी ताकतों से समर्थन ले रही है। अरविंद केजरीवाल के देश विरोधी ताकतों से प्रेम का राज क्या है? दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को एक ही चरण में होंगे और वोटों की गिनती 8 फरवरी को होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 17 जनवरी है। नामांकन की जांच की तारीख 18 जनवरी है। आखिरी तारीख उम्मीदवारी वापस लेने की तिथि 20 जनवरी है। दिल्ली में त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि रिकॉर्ड चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही आप को भाजपा और कांग्रेस दोनों से चुनौती मिल रही है।

संपादकीय

दिल्ली यात्रा के कुछ अनुभव

यहां की भीड़ भरी सड़कों के किनारे, व्यस्त मोड़ों पर, फुटपाथ पर, दफ्तरों के इर्द–गिर्द आने–जाने वालों की कई जरूरतें होती हैं। अगर किसी को चाय पीना हो, किसी को भूख लगी हो, किसी को नाश्ता करना हो तो उन्हें वे सुविधाएं मिल जाएं, तो आसानी होती है। इसके लिए रेहड़ी पटरी वाले, फल–सब्जी बेचने वाले, खाने–पीने की वस्तुएं बेचने वाले और तरोताजा करने वाली चीजें बेचने वाले मिल जाएंगे। पिछले हफ्ते मेरा दिल्ली जाना हुआ, तो मेरी दो दशक पुरानी यादें ताजा हो गईं। करीब दो दशक पहले मुझे दिल्ली में दो सालों तक रहने का मौका मिला था। उस समय के मेरे अनुभव और महानगर की समस्याओं पर इस कॉलम में चर्चा करना उचित होगा, जिससे हम शहरी जीवन की असलियत समझ सकें। इस सदी के पहले दशक में मैंने लोकनीति–सीएसडीएस में काम किया था। इस दौरान मुझे पडपड़गंज से रोज राजपुर रोड पर स्थित सीएसडीएस के कार्यालय तक जाना होता था। मुझे पहले पड़पड़गंज से बस और उसके बाद मेट्रो से सफर करना पड़ता था। उस समय मेट्रो की शुरूआत हो रही थी। बसों में काफी भीड़ होती थी, पर किराया कम लगता था। मेट्रो का सफर सुविधाजनक था, पर थोड़ा महंगा। दिल्ली को मुस्कानों की नगरी और देश का दिल भी कहा जाता है। यहां की कई विशेषताएं हैं। दर्शनीय स्थल हैं, बापू की समाधि संसद है, शासकीय कार्यालय, मंत्रालय, नेताओं–मंत्रियों के आवास, और भी कई ऐतिहासिक जगहें, जहां आने–जाने वालों का तांता लगा रहता है। महानगर के नाम से जो एक खास तरह की सुनहरी तस्वीर हमारे मानसपटल पर उभरती है, वह है ऊंची–ऊंची इमारतें, उनके बीच ताना–बाना बुनती संकरी चौड़ी गलियां, सड़कें, फुटपाथ, उन पर सरकता सजा–धजा मानव समूह, कारें, मेट्रो रेल, सिनेमाघर, दुकानें इत्यादि। इन सबसे अलहदा, हाशिये पर रहने वाले, फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले लोग भी बड़ी संख्या में होते हैं। यह शहरों में गुमनाम व अदृश्य हैं, पर इनकी शहरों को जरूरत भी है। इन लोगों को प्रायरू रेल की पटरियों के आसपास, कचरा बीनते, टूटे–फूटे टेंटों में, फुटपाथ पर, बगीचों में देखा जा सकता है। इसके साथ ये पुलों के नीचे और जहां भी जगह मिले, वहां रह जाते हैं। यहां की भीड़ भरी सड़कों के किनारे, व्यस्त मोड़ों पर, फुटपाथ पर, दफ्तरों के इर्द–गिर्द आने–जाने वालों की कई जरूरतें होती हैं। अगर किसी को चाय पीना हो, किसी को भूख लगी हो, किसी को नाश्ता करना हो तो उन्हें वे सुविधाएं मिल जाएं, तो आसानी होती है। इसके लिए रेहड़ी पटरी वाले, फल–सब्जी बेचने वाले, खाने–पीने की वस्तुएं बेचने वाले और तरोताजा करने वाली चीजें बेचने वाले मिल जाएंगे। इनमें से ज्यादातर गांवों से पलायन कर रोजगार की तलाश में दिल्ली में पहुंचे हैं और ऐसे छोटे–मोटे धंधों में लगे हैं। यह ढाबेवाले, खोमचेवाले नालियों के किनारे, गली–कूचों में, पुलों के नीचे और जहां भी जगह मिल जाए, ये टिक जाते हैं। इनमें चाऊमीन, बर्गर, छोले–भटूरे, राम लड्डू, समोसा, कचौरी, पानीपूरी (गोलगप्पे), बिहार का लिट्टी– चोखा, दक्षिण भारत का इडली–डोसा, छोले कुलचे, रोटी–सब्जी आदि शामिल हैं। इन सबके कारण कामकाजी लोगों को बहुत सुविधा होती है। इस बार जब मैं इंडिया गेट गया था, वहां अब खाने–पीने की वस्तुएं बेचने वाले नहीं थे, जो पहले हुआ करते थे। इसी प्रकार, साइकिल रिक्शों की जगह ई–रिक्शा दिखे। इनकी संख्या इतनी ज्यादा है कि कई बार उन्हें सवारियों के लिए आपस में खींचातानी करनी पड़ती है। आटो चालक भी बड़ी संख्या में हैं। 20 साल पहले साइकिल रिक्शा होते थे, जो बहुत सस्ते होते थे। हालांकि साइकिल रिक्शों के बारे यह बहस है ही कि वे कितने मानवीय हैं। यहां गांवों से लोगों का रोजगार की तलाश में आना लगातार जारी है। कुछ समय पहले मुझे दिल्ली के एक रैन बसेरा को देखने और वहां रहने वाले लोगों से बात करने का मौका मिला था। यही वह स्थान होता है, जहां गांवों से आने वाले लोग टिकते हैं।

कनाडा, मैक्सिको और पनामा को आंखें दिखाने वाले अमेरिका से क्यों अपना देश ही नहीं संभल रहा

अभिनय

ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। वो ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही वो पनामा नहर पर कब्जा करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान साबित करना। लेकिन खुद को सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। आग जब जंगलों से निकलकर शहरों तक पहुँचती है तो भीषण तबाही आती है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को अपनी चपेट में ले लिया है। ये आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं जिसे रोकना फायर डिपार्टमेंट के लिए एक चुनती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी–130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे ये प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। आग तेज हवाओं के चलते जंगलों से रिहाइशी इलाकों में फैलती जा रही है। आलम ये है कि 10 एकड़ के दायरे में लगी आग कुछ ही घंटों में तकरीबन 2900 एकड़ में फैल गई। इसके चलते लांस एंजेलिस में स्टेट ऑफ इमरजेंसी का ऐलान कर दिया गया है। लोग घर छोड़कर भाग रहे हैं। आग से करीब 1100 इमारतें पूरी तरह जलकर खाक हो गई हैं और 28 हजार घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं अधिकारियों ने करीब 70 हजार लोगों के घर खाली कराने के आदेश दिए हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस आग में कई हॉलीवुड सेलिब्रेटी के घर भी जलकर खाक हो गए हैं। इन सेलिब्रिटीज में बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं। इस आग को अबतक की सबसे विनाशकारी घटनाओं में से एक माना जा रहा है। स्थानिय पुलिस और दमकल विभाग इसे संभावित अपराध मानकर जांच कर रहे हैं। वेस्ट हिल्स के विक्ट्री ट्रेल हेड से ये आग शुरू हुई और देखते ही देखते 800 एकड़ में फैल गई। पुलिस विभाग ने बयान जारी कर कहा है कि आज शाम 4रू32 पर यावरा रॉड के 2170 ब्लॉक पर संभावित आगजनी के संदिग्ध के लिए रेडियो कॉल में एक पुरुष को ये कहते हुए सुना गया कि एक संदिग्ध आग जलाने का प्रयास कर रहा था। संदिग्धा हिरासत में है और उसे तोपंगा स्टेशन ले जाया गया है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आग की वजह से अपना इटली का दौरा रद्द कर दिया है। जो बाइडन ने कहा कि हम आग को रोकने में मदद के भी करने को तैयार है। चाहे कितना वक्त लगे। फेडरल गवर्नमेंट तब तक यहां रहेगी, जब तक आपको हमारी जरूरत होगी। डोनाल्ड ट्रम्प ने कैलिफोर्निया की आग के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन का जिम्मेदार ठहराया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि फायर हाइड्रेंट में पानी नहीं है, फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) के पास पैसा नहीं है। जो बाइडेन मेरे लिए यही सब छोड़कर जा रहे हैं। शुक्रिया जो। ट्रम्प ने एक अन्य पोस्ट में कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजकम पर तंज किया।

विदेशों में भारतीय गिरमिटियों द्वारा विकसित हिन्दी एवं संस्कृति

प्रवीण

हमारे प्रिय पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी जी ने कभी कहा था, हम भारतीय विश्व में जहाँ भी जाते हैं, अपने साथ एक छोटा सा भारत लेकर जाते हैं। इस गर्वोक्त करने वाली पंक्ति में एक अर्थ यह भी निहित ही है कि, हमारे ह्रदय में बसा हुआ यह भारत ही हमें विभिन्न विदेशी समाजों के दूध में शक्कर की भाँति घुलने की चिर प्रवृत्ति भी देता है। भारत के हिन्दी भाषी ग्रामीण क्षेत्रों से इन देशों में गए हुए ये गिरमिटिये अपने साथ अपनी कपड़ों की गठरी में श्रीरामचरितमानस, हनुमान चालीसा, सत्यनारायण की कथा, देवी–देवताओं के चित्र मंगलसूत्र, सिंदूर–टिकुली, पाजेब, करधनी, (भले ही वह चाँदी की नहीं बल्कि गोटे की बनी हुई हो) तीज–त्योहार में उपयोग आने वाला सामान आदि सभी कुछ साथ रख लेते थे। गिरमिटिया मजदूर, अनुबंधित या ठेका मजदूर होता तो कुछ और बात थी, वस्तुतः तो ये गुलाम ही हुआ करते थे। 'इंडेंचर्ड लेबर' या गिरमिटिया मजदूर जिन्हें अंग्रेजों ने कभी 'गोल्डन लैंड' का मनमोहक स्वप्न दिखाकर, तो कभी डरा–धमकाकर, भयभीत करके, कोर्ट कचहरी, भूमि जब्त कर लेने की धमकी देकर जबरन अपने गुलाम देशों में श्रमिक के रूप में भेजा। इस प्रकार गए हुए ऐसे भारतीय मजदूर जो उन कथित 'गोल्डन लैंड्स' में जाकर जीवन अपने देश लौटने का किराया भी नहीं जुटा पाये और बेबस होकर वहीं मर–खप गए। गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, जमैका, फिजी, मॉरीशस, मलेशिया, फिजी, दक्षिण अफ्रीका के युगांडा, केन्या, तंजानिया जैसे कुछ अन्य देशों में आज इन्हीं भारतीय गिरमिटियों के वंशज अपने श्रम, लगन, ध्यान, देशप्रेम, से भारतीय संस्कृति की ध्वजा फहरा रहें हैं। हमें बड़ा गौरव भान होता है कि इन देशों में ये कभी दीन–हीन रहे ये भारतीय गिरमिटिया मजदूर कितने ही अभावों में रहें हों, कितनी ही भूख से मर–मर गयें हों किंतु अपराधी नहीं बने। गिरमिटिया मजदूरों के वंशजों ने इन देशों में अपने श्रम से अपनी आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, नैतिक, राजनैतिक आधारपीठ का निर्माण कर लिया है। उपरोक्त सभी देशों में गए हुए भारतीय गिरमिटिए, वहाँ समरस हो गए हैं। अलगाव या देशविरोधी भाव तो इन्हें छू भी नहीं गया है। तथाकथित सभ्य अंग्रेजों ने ज्ञात रूप से 1.2 मिलियन और अज्ञात रूप से, न जाने कितने लाख विवश–बेबस भारतीयों को अपने उन्नीस गुलाम देशों में जबरन भेज दिया था। यह मानवता के प्रति कथित 'जेंटलमैन अंग्रेजों' का अपराध था। 1917 में बड़े विरोध के बाद ब्रिटिशर्स ने इस अपराध श्रृंखला को रोका था, तब तक लाखों भारतीय परिवार हजारों किमी दूर उन अंग्रेजी कालोनियों से स्वदेश लौटने हेतु तड़प रहे थे। हमें गर्व है कि निपट अशिक्षित (अंग्रेजी प्रपंची शिक्षा से), विपन्न, साधनहीन भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के वंशज, अपनी सामाजिकता के बल पर इन देशों में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री, गवर्नर, प्रशासक, न्यायाधीश, उद्योगपति, बिजनेस टायकून, कंपनी कार्पोरेटर, साहित्यकार, एकेमेडिशियन्स, प्रेरक संत आदि–आदि के रूप में अपनी छटा बिखेर रहे हैं। हजारों किमी दूर के इन देशों में जहाँ कभी भारतीयता का नाम भी नहीं था वहाँ प्रतिवर्ष सभी भारतीय उत्सव बड़े ही उल्लास व उत्साहपूर्वक मनाये जाते हैं। सबसे बड़ी बात, इन सभी देशों में 'भारतीय आगमन दिवस' का आयोजन भी होता है जिसमें उन देशों के सत्ताधीश, राजनयिक, आर्थिक हस्तियां, साहित्यकार, धर्मगुरु आदि उपस्थित रहते हैं। प्रमुखतः उत्तरप्रदेश, बिहार के ग्रामीण अंचलों से ले जाये गए ये गिरमिटिये अपने साथ अपनी लोक संस्कृति भी ले गए थे। कितने सांस्कृतिक आग्रह, कितने देशज प्रण, कितनी जिजीविषा और कितनी जीवटता रही होगी इन गिरमिटियों में कि गुलामी भरे जीवन में भोजन के स्थान पर अंग्रेजों के कोड़े खाते हुए भी ये इन देशों में अपनी संस्कृति को नहीं भूले हैं। अपने लोकगीत, लोकनृत्य, लोकभाषा, रामचरितमानस, पहनावे, बोली आदि को ये आज लगभग दो सौ वर्षों बाद भी जीवंत बनाए हुए हैं। इन देशों में धान, तमाखू और गन्ने की बुआई– कटाई– दराई करते समय, वैवाहिक प्रसंगों में, त्यौहारों में गाये जाने वाले गीत और कथाएँ आज भी गूँजती रहतीं हैं। घोर आश्चर्य होता है यह जानकर की कि एक विपन्न, प्रताड़ित, उत्पीड़ित भारतीय गिरमिटिया समाज यह सब करने में सफल हो पाया है। गुलामी भी ऐसी थी कि ये विवाह करेंगे या नहीं, करेंगे तो कब करेंगे, विवाह के बाद संतान को जन्म देंगे या नहींय ये सभी कुछ अंग्रेज ही तय किया करते थे। अंग्रेजों की अनुमति के बिना गर्भधारण करना भी जहाँ अपराध हो वहाँ के उत्पीड़न की स्थिति को सरलता से समझा जा सकता है। बनारसीदास चतुर्वेदी, गिरिराज जी किशोर के मानक गिरमिटिया साहित्य का तो अपना ही एक उच्च स्थान है ही। गिरमिटियों की व्यथा को व्यक्त करते हुए ही मॉरिशस के लेखक अभिमन्यु अनत ने अपनी 'लाल पसीना' में लिखा– "जिस दिन गोरे सरदारों की ड्यूटी बदली जाती केवल उस दिन ही सारे भारतीय मजदूर खुलकर बातें कर पाते थे।" मॉरिशस के मुनीश्वरलाल चिंतामणि लिखते हैं – "उस आदमी से जाकर कहो कि मेरी हिंदी भाषा ऐसी सुंदर है कि उसने मेरी संस्कृति को अब भी बचाये रखा है।" बाद में हमारी हिन्दी ने इन देशों की स्थानीय भाषाओं के साथ एक नए प्रकार की बोली, भाषा व रचनाओं का सुंदर नव संसार रचा। इन देशों में बसे हुए उत्तरप्रदेशी, मगही, बिहारी, मैथिली, भोजपुरी बंधु आज भी अपनी भाषा में साहित्य रचते हैं व बोलचाल में प्रासंगिक बनाए हुए हैं। साहित्यकार दीपचंद बिहारी, रामदेव धुरंधर, वेणी माधव, रामखेलावन, भानुमति राजदान, पुजानंद नेमा, केशवदत्त चिंतामणि और राज हीरामन, अभिमन्यु अनत आदि ने गिरमिटिया साहित्य का एक दिव्य संसार रचा है। मॉरिशस के लोकप्रिय रचनाकार अभिमन्यु अनत गिरमिट भोजपुरिया गर्वोक्त होकर कहते हैं – "हम भोजपुरी जानी ला, बोली ला, बूझी ला, त अंग्रेजी में काहे के गिटर–पिटर करी द्य" आज भी गिरमिटिये बंधु अपने देशज लोकगायन में विरह–गीत, बारह–मासा गीत, ऋतु–गीत, पर्व–त्यौहार गीत मौके–बेमौके गाते–गुनगुनाते रहते हैं। ऐसा ही एक गीत है – गिरमिटिया साहित्य के उल्लेख तोताराम सनाढ्य का नाम तो परमावश्यक है। तोताराम जी ने इक्कीस वर्षों पश्चात् फिजी के गिरमिटिया जीवन से मुक्ति होकर, भारत लौटने पर इस अंग्रेजों के इस अत्याचारी काले अध्याय से समूचे भारत को परिचित कराया। उनके लेखन से ही अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संघर्ष में एक अध्याय

'गिरिमिटिया प्रथा समाप्ति' जुड़ गया था। जितेंद्र कुमार मित्तल की 'मॉरिशस देश और निवासी', मुनिश्वर लाल चिंतामणि की पुस्तक 'मॉरिशसीय हिंदी', जोगिंदर सिंह कँवल की पुस्तक 'सात समुंदर पार', कृष्णलाल बिहारी की पुस्तक 'पहला कदम' भी गिरमिटिया संदर्भ में परिपूर्ण साहित्य है। विश्व हिन्दी दिवस पर गिरमिटिया साहित्य का उल्लेख केवल साहित्य का नहीं अपितु स्वमेव ही मानवीयता का उल्लेख हो जाता है।

प्रवासी भारतीय दिवस के दौरान भाजपा नेताओं ने जय जगन्नाथ का नारा लगाया

ओडिशा में तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस के मुख्य आकर्षणों में से एक भगवान जगन्नाथ की रेत की मूर्ति थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान की पूजा करते हुए दिखाई दे रहे थे। भारतीय जनता पार्टी के कई नेता रेत की कलाकृति के पास पहुंचे, जो रामायण पर प्रदर्शनी के प्रवेश द्वार पर सजी थी, ताकि उसके साथ सेल्फी ले सकें। मूर्ति के साथ फोटो खिंचवाने वाले शीर्ष भाजपा नेताओं में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी शामिल थे, जो ओडिशा से आते हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। उन्हें मोदी का आशीर्वाद प्राप्त है। सम्मेलन के दौरान श्जय जगन्नाथश का नारा गूंजता रहा और प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों सहित लगभग हर वक्ता ने अपने भाषण की शुरुआत भगवान के नाम के जाप से की। जाहिर तौर पर उन्हें लगा कि यह राज्य के लोगों के साथ तालमेल बिठाने का सबसे अच्छा तरीका है, जहां के मुख्य देवता भगवान जगन्नाथ हैं, जिनका 12वीं शताब्दी का निवास पुरी में स्थित है। चुनाव सलाहकार से नेता बने और जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन कर रहे थे, तभी एक आलीशान वैनिटी वैन देखी गई, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। वैन में एक आलीशान बेडरूम, एक आधुनिक शौचालय, गद्देदार कुर्सियाँ और दो–चार लोगों के बैठने के लिए अन्य सुविधाएँ थीं। हर कोई विरोध स्थल के नजदीक ऐसे आलीशान वाहन की जरूरत के बारे में पूछने लगा। हालाँकि वैन का स्वामित्व पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू सिंह के परिवार का था, लेकिन किशोर इसका इस्तेमाल करते दिखे। नेता को आखिरकार यह स्पष्ट करना पड़ा कि वैन व्यावहारिक जरूरतों को पूरा करती थी। किशोर ने कहा, "अगर मैं शौच के लिए घर जाता हूँ, तो पत्रकार पूछेंगे कि मैं खाना खाने गया था या झपकी लेने।" उन्होंने कहा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि वैन की कीमत 2 करोड़ रुपये है और इसका किराया प्रतिदिन 25 लाख रुपये है। "इस वैन को ले लिया जाए। बदले में मुझे 25 लाख रुपये प्रतिदिन दो और मुझे शौचालय के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक वैकल्पिक स्थान प्रदान करो,ष उन्होंने कहा। परिवहन विभाग ने कई नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में वाहन को जब्त कर लिया है। जेएसपी के एक नेता ने चुटकी लेते हुए कहा, षकिशोर महात्मा गांधी के अनुयायी हैं। कल्पना कीजिए कि गांधी अपने सत्याग्रह के दौरान ऐसी सुविधाओं का उपयोग कर रहे होंगे! अंग्रेज कभी देश नहीं छोड़ते। उन्हें इन मुद्दों पर विचार करना चाहिए जो उनके अच्छे इरादों की चमक को खत्म कर देते हैं। चरित्र को प्रेरित करने वाले पेरी का निधन प्रशंसा और व्यंग्य बहुत प्रशंसा कभी–कभी तीखी आलोचना को आमंत्रित कर सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का उदाहरण लें। अपनी चल रही राज्यव्यापी प्रगति यात्रा के दौरान, उन्होंने श्जीविका दीदियोंश से मिलना सुनिश्चित किया, जो स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ हैं जो राज्य प्रायोजित ग्रामीण आजीविका परियोजनाओं से जुड़ी हैं। दौरे के दौरान, कुमार ने जोर देकर कहा कि उन्होंने 2006 में इस योजना को शुरू किया था और कहारू ष्अब देखिए, उनके ख्एसएचजी कार्यकर्ताओं के, चेहरे कितने अच्छे लग रहे हैं! क्या पहले ऐसे चेहरे थे? वे कितना अच्छा बोलते हैं।ष राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, जो बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने सीएम पर निशाना साधा। यादव ने कहा, ष्क्या 2005 से पहले ख्जब कुमार सत्ता में आए, किसी के पास कोई चेहरा था? उसके बाद उन्होंने उन्हें अच्छे चेहरे दिए। क्या पहले कोई बोलता था? उन्होंने उन्हें बोलना सिखाया।ष यह विवाद आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद द्वारा की गई टिप्पणी की याद दिलाता है। उन्होंने कहा था कि कुमार महिलाओं को घूरने के लिए दौरे पर जा रहे हैं। दुर्भाग्य से, कुमार को हाल के दिनों में महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए कई बार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। सीएम मोहन चरण माझी ने प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन सत्र के दौरान सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा और तीन भाषाओं में भाषण देकर अपने आलोचकों को चुप करा दिया। माझी ने अपने भाषण की शुरुआत ष्जय जगन्नाथष से की और पहली कुछ पंक्तियाँ ओडिया में बोलीं। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद ओडिया लोगों ने इसका जोरदार तालियों से स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करने के लिए हिंदी में भाषण दिया, जिससे वहां मौजूद प्रवासी भारतीयों और प्रवासी भारतीयों की भीड़ प्रभावित हुई और उन्होंने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईं। माझी ने अंत में अंग्रेजी में बोलकर सभी को चौंका दिया, उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों और उनके नेतृत्व में राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्हें फिर से तालियां मिलीं, खासकर प्रवासी भारतीयों ने। जिस तरह से उन्होंने प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और उन्हें ओडिशा की क्षमता का प्रदर्शन किया, उससे सभी प्रभावित हुए। माझी ने बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ी। प्रवासी भारतीयों का दिल जीतने वाली बात यह थी कि उन्होंने आसानी से हिंदी में भाषण दिया और उनसे दालमा, रसगुल्ला और छेनापोड़ा जैसे ओडिया व्यंजनों का आनंद लेने के लिए कहा।

2024-25 के लिए जीडीपी में गिरावट पर कुछ नीतिगत पुनर्विचार की आवश्यकता

महत्वपूर्ण बात वृद्धि नहीं है। बल्कि वृद्धि की गुणवत्ता और उसका विस्तार है और यह भी कि बिना किसी तनाव के इसे कितनी दूर तक बनाये रखा जा सकता है। अर्थव्यवस्था के अत्यधिक गर्म होने से क्षेत्रों में क्षमता पर असर पड़ सकता है, जिससे विकृतियां और मुद्रास्फीति हो सकती है। इससे दीर्घकालिक संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नवीनतम अग्रिम अनुमान जारी होने के तुरंत बाद, कयामत के दिन के बारे में भविष्यवाणी करने वालों ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा है कि देश की विकास दर धीमी हो गयी है और अगले कुछ वर्षों में इसे 8 प्रतिशत से अधिक प्रदर्शन वाले ब्रैकेट में वापस नहीं लाया जा सकता। उनका मानना है कि भारत निकट भविष्य में 6 से 6.5प्रतिशत की वृद्धि दर के स्तर पर बना रह सकता है। आइए तथ्यों को थोड़ा और करीब से देखें। भारत ने 2023–24 में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। नवीनतम रिलीज 2024–25 के लिए 6.4 प्रतिशत का प्रिंट दिखाती है। यह कोविड के बाद की अवधि की ऊंचाइयों से एक तेज गिरावट है, जब 2021–22 में अधिकतम विकास दर 9.7प्रतिशत तक पहुंच गई थी। 2012–13 से पिछले तेरह वर्षों में, विकास दर चार वर्षों में 8 प्रतिशत से अधिक रही। रुझानों के अनुसार, भारत की जीडीपी औसतन अधिकांश वर्षों में 7 प्रतिशत बढ़ी है और अर्थव्यवस्था में सालाना 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करने की क्षमता है, बशर्ते कि अभूतपूर्व घटनाक्रम इसके कामकाज में बाधा न डालें। इनमें वैश्विक महामारी या मानव निर्मित संकट जैसे अप्रत्याशित घटनाक्रम शामिल हैं कुछ भी हो, भारतीय अर्थव्यवस्था पारंपरिक रूप से सरकारी हस्तक्षेप और सरकारी एजंसियों के नियंत्रण और संयम के अप्रिय विचारों से बाधित रही है। बाधाओं को देखते हुए, एक प्रमुख अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अधिक कृत्रिम बूस्टर के बिना, स्वाभाविक गति से 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। विकास उन्माद को बहुत सारे बूस्टर के साथ बहुत अधिक प्रक्षेपवक्र की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय, इसे अपनी गति से इष्टतम गति से बढ़ने दिया जाना चाहिए। विकास उन्माद ने नीति विशेषज्ञों और आकस्मिक पर्यवेक्षकों को समय–समय पर और महत्वपूर्ण क्षणों में पहले भी जकड़ लिया था। राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में सातवीं पंचवर्षीय योजना की तैयारी के दौरान इस तरह की उन्मादी बहस छिड़ गयी थी। योजना आयोग आंतरिक रूप से बहस कर रहा था और दो खेमों में बंटा हुआ था। सदस्य और अपने समय के सबसे प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों में से एक डॉ राजा चेलिया ने अधिक सतर्क दृष्टिकोण की वकालत की थी और विकास लक्ष्य को मध्यम, अधिक प्राप्त करने योग्य स्तर पर रखने की सलाह दी थी। आयोग में एक अन्य खेमा, जिसका नेतृत्व तेजतर्रार, पूर्व वाणिज्य सचिव और उच्च प्रोफाइल सार्वजनिक बुद्धिजीवी आबिद हुसैन ने किया था, ने योजना को बहुत महत्वाकांक्षी स्तर पर सेट करने का सुझाव दिया। डॉ चेलिया का कहना था कि अर्थव्यवस्था की क्षमताओं को कम करने वाली अतिमहत्वाकांक्षी योजना उलटी दिशा में जा सकती है और विकास की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। विवाद पर आबिद हुसैन की बात सारगर्भित थी, उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की सभी खिड़कियां खुली होनी चाहिए ताकि ताजी हवा अंदर आ सके। इस प्रक्रिया में अगर कुछ मक्खियां घुस भी जाती हैं, तो उन्हें आने दें। हम समस्याओं से उसी के अनुसार निपटेंगे। जब योजना आयोग की बहस की चर्चा प्रधानमंत्री के कानों तक पहुंची, तो उन्होंने योजना आयोग के सदस्यों, खास तौर पर रूढ़िवादी सदस्यों के बारे में तिरस्कारपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा, श्योजना आयोग में बहुत से जोकर भरे पड़े हैं।श प्रधानमंत्री युवा और अधीर थे। लेकिन इस टिप्पणी की बहुत सराहना नहीं की गयी। महत्वपूर्ण बात वृद्धि नहीं है। बल्कि वृद्धि की गुणवत्ता और उसका विस्तार है और यह भी कि बिना किसी तनाव के इसे कितनी दूर तक बनाये रखा जा सकता है। अर्थव्यवस्था के अत्यधिक गर्म होने से क्षेत्रों में क्षमता पर असर पड़ सकता है, जिससे विकृतियां और मुद्रास्फीति हो सकती है। इससे दीर्घकालिक संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है। लेकिन नवीनतम विखंडित आंकड़ों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि समग्र वृद्धि में अचानक गिरावट द्वितीयक क्षेत्र में तीव्र मंदी से उपजी है। द्वितीयक क्षेत्र के लिए स्थिर मूल्यों पर 2023–24 में जीवीए9.7प्रतिशत से 2024–25 में 6.5प्रतिशत तक तेजी से गिर गया। द्वितीयक क्षेत्र कुल सकल घरेलू उत्पाद का एक चौथाई हिस्सा है और इसकी वृद्धि में कमी स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन को प्रभावित करेगी।

तृतीयक क्षेत्र पर और भी अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए, यह मुख्य रूप से औद्योगिक अर्थव्यवस्था है, जो तेजी से मंद हो गयी है। उदाहरण के लिए, विनिर्माण विकास दर, 2023–24 में लगभग 10प्रतिशत से घटकर 2024–25 में लगभग 5प्रतिशत रह गयी है। फिर से अगर हम पांच साल की अवधि में अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के प्रदर्शन को देखें तो हम पाते हैं कि प्राथमिक क्षेत्र कम दरों पर बढ़ा है लेकिन सबसे अधिक स्थिर रहा है। यह द्वितीयक क्षेत्र है, यानी विनिर्माण, बिजली उत्पादन, जिसमें वार्षिक वृद्धि के मामले में व्यापक रूप से उतार–चढ़ाव आया है। इसके साथ ही, तृतीयक क्षेत्र, जो पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है, जिसका जीवीए में 55प्रतिशत योगदान है, भी मामूली रूप से कम हुआ है। हालांकि, तृतीयक क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से द्वितीयक क्षेत्र में आई गिरावट की भरपाई हो सकती थी। अर्थव्यवस्था के खंडों के अलग–अलग आंकड़ों पर ध्यान दें तो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, आईआईपी में शामिल चार प्रमुख खंड, यानी खनन, विनिर्माण, बिजली उत्पादन और धातु खनिज, सभी में गिरावट आई है। रिपोर्टिंग अवधि कम है लेकिन ये जीडीपी रुझानों के आवर्ती विषय रहे हैं। यह सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है और शायद कुछ नीतिगत हस्तक्षेप या कम से कम अंतर्निहित कारणों पर एक नजर डालने की आवश्यकता है। यह संभव है । कि अर्थव्यवस्था के इन क्षेत्रों के लिए अवरोधक कारकों के सुधार पर ध्यान केंद्रित करके हम समग्र प्रदर्शन को और अधिक निरंतर बढ़ावा देने में सक्षम हो सकते हैं। दूसरी तरफ से आंकड़ों को देखते हुए, यानी व्यय पर ध्यान केन्द्रित करने पर हम देखते हैं कि निजी अंतिम खपत, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख विकास इंजन बनी हुई है, ने जोरदार रुझान दिखाये हैं। स्थिर कीमतों पर निजी अंतिम खपत व्यय 2023–24 में 4प्रतिशत से बढ़कर नवीनतम वर्ष में 7.3प्रतिशत हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खपत, यानी सरकारी व्यय में भी वृद्धि हुई है। यानी आंतरिक मांग की स्थिति उत्साहजनक बनी हुई है। लेकिन इस तरफ भी एक चिंता की बात है। सकल स्थिर पूंजी निर्माण 2023–24 में 9 प्रतिशत से 2024–25 में 6.4प्रतिशत तक निर्णायक रूप से सिकुड़ गया है। यह अर्थव्यवस्था में निवेश की कुल मात्रा है। जब निवेश धीमा हो जाता है, तो समग्र मंदी हो सकती है। हालांकि इसका एक बड़ा हिस्सा औद्योगिक अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से जुड़ा है, जिसमें विनिर्माण, खनन और निर्माण शामिल हैं। इस प्रकार, नवीनतम आंकड़ों से नीति निर्देश, साथ ही, समय श्रृंखला डेटा में प्रकट रुझान दिखाते हैं कि औद्योगिक अर्थव्यवस्था के लिए कुछ प्रमुख बढ़ावा की आवश्यकता है। यदि ये जीडीपी आंकड़े वही हैं जिन पर केंद्रीय बजट को आगे बढ़ना चाहिए, तो बजट को कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। केंद्रीय बजट की सामान्य रूपरेखा पहले ही तैयार हो चुकी होगी। फिर भी, अधिकारियों को इस बात का अंदाजा जरूर होगा । कि क्या होने वाला है। बजट को औद्योगिक क्षेत्र को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए कुछ रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। जाहिर है, पीएलआई योजनाएं और अन्य रियायतें अर्थव्यवस्था में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने में बहुत सफल नहीं रही हैं।

केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन लखनऊ के तत्वावधान में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता गोयल इंस्टीट्यूट के मैदान पर संपन्न हुई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन लखनऊ के तत्वावधान में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता 11 एवं 12 जनवरी को गोयल इंस्टीट्यूट के मैदान पर संपन्न हुई जिसमें विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों का उद्घाटन केनरा बैंक लखनऊ अंचल कार्यालय के अंचल प्रमुखध्महाप्रबंधक रंजीव कुमार, उप महाप्रबंधक संजय कुमार और प्रदीप कुमार आर एवं अयोध्या क्षेत्रीय कार्यालय के उपमहाप्रबंधक विकास भारती के कर कमलों द्वारा हुआ। क्रिकेट प्रतियोगिता में क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ वन विजेता और लखनऊ टू उपविजेता बनी। मैन ऑफ द मैच बने निखिल, मैन ऑफ द सीरीज बने प्रदीप, बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार मनीष राय ने जीता, बेस्ट बॉलर का पुरस्कार अखिलेश ने जीता, बेस्ट फील्डर का पुरस्कार मनोज कश्यप को मिला। बैडमिंटन युगल प्रतियोगिता पुरुष वर्ग के विजेता मनीष राय एवं अखिलेश रहे और उपविजेता राजेंद्र गौतम एवं प्रदीप रहे। महिला वर्ग में विजेता मोनिका और मेघा तथा उपविजेता साराक्षी और किरन रहीं। 100 मी दौड़ में महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार किरन, द्वितीय पुरस्कार कीर्ति एवं तृतीय पुरस्कार साराक्षी ने जीता। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार मनीष राय द्वितीय पुरस्कार अमर एवं तृतीय पुरस्कार आकिब ने जीता। टेबल टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दीपक जोशी विजेता और विक्रम उपविजेता रहे। महिला वर्ग में विजेता मेघा और उपविजेता मोनिका रहीं। स्किपिंग प्रतियोगिता के महिला वर्ग में मेघा प्रथम, कीर्ति द्वितीय एवं किरन तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में देवेश प्रथम, मनीष द्वितीय एवं लाल जी तृतीय स्थान पर रहे। टग ऑफ वार में महिला वर्ग में नेहा, किरन, नेहा तिवारी और मेघा ने प्रथम पुरस्कार जीता।

इन खेलों का सफल आयोजन सीबीओए के महासचिव रवि कुमार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट धनंजय सिंह के नेतृत्व में कराया गया जिसमें ओजीएस अंशुमान सिंह, डीजीएस विवेक श्रीवास्तव, रीजनल सेक्रेटरी लखनऊ वन संतोष कुमार, लखनऊ टू विवेक सोनकर, असिस्टेंट रीजनल सेक्रेटरी मनीष राय, मोहम्मद इमरान, शिशिर श्रीवास्तव, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी पुष्पेन्द्र सिंह, आर सी मेंबर अखिलेश आदि मौजूद रहे।

गोमतीनगर में वार्डेन का शतप्रतिशत लक्ष्य पूर्ण होगा : मनोज वर्मा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा लखनऊ के नवबहाल प्रखंड गोमतीनगर में अगले तीन माह में वार्डेन सेवा के लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया जाएगा। यह बात प्रखंड गोमतीनगर के अधिकारी मनोज वर्मा ने कही। लखनऊ नागरिक सुरक्षा के राष्ट्रपति पदक से अलंकृत वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा ने वार्डेनो के प्रशिक्षण के अंतिम दिन कहा कि गोमतीनगर प्रखंड को मजबूत और ऊर्जावान बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य को हासिल करना बहुत जरूरी है। जिसके लिए योजनाबद्ध तरीके से नफीस अहमद के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है और अगले तीन माह में इसे प्राप्त भी कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि कुछ वर्ष पूर्व प्रदेश के विभिन्न सिविल डिफेंस नगरों में कई प्रखंड को बंद कर दिया गया था, जिन्हें पुनः बहाल कर दिया गया है, ऐसे प्रखंड में गोमतीनगर भी एक है। वर्तमान में 50 से ज्यादा भर्तियां प्रखंड गोमतीनगर में कर ली गई हैं। जिन्हें प्रशिक्षित करने के लिए प्रखंड के इंचार्ज मनोज वर्मा की

देखरेख में महारानी अहिल्याबाई होलकर स्कूल के कैम्पस में पांच दिवसीय प्रशिक्षण चलाया जा रहा था। प्रशिक्षण में नफीस अहमद ,हितेश गुप्ता,संदीप कुमार,जय सिंह,रामखेलावन वर्मा,राम अवतार, सानी साहनी, कृष्ण कुमार पांडे,सुमित कुमार, धीरेंद्र कुमार आर्य,वारिस अली खान,सुरेश पाल,आशीष कुमार, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, आरिफ अली,अशोक गुप्ता,शिव शंकर दूबे,विनोद कुमार राय,प्रदीप शर्मा,सज्जन अली, शाजिया,मोव अलीम,सद्दाम,मोव तौफीक, महबूब रहमान,अरमान अहमद, मोहम्मद आकिब,रजनीश गुप्ता, मोहम्मद शफीक,यूसुफ अली, पूनम गुप्ता,रंजीत कुमार यादव, मोहम्मद इमरान,मोहम्मद कासिब,अंकित यादव, बलराम शुक्ला, श्याम बिहारी शुक्ला, अब्दुल कादिर, अरविंद यादव, संतोष पांडे, यदुवीर सिंह रघुवंशी, राम मनोहर यादव, राकेश खान, आर के पांडे,नंदराम यादव, अखिलेश वर्मा,राम सरन,अनुज सैनी,अंकित सिंह,सिद्धांत स्वरूप निशाद,सुधीर सिंह,फैज शब्बीर अजय पाल महेश चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

वांछित आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण रखने के लिए जिले में एसएसपी राजकरण नैय्यर के निर्देश पर जहां एक ओर सभी थाना क्षेत्रों मे संबंधित थानाध्यक्ष सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।वही सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस वांछित अपराधियों की भी गिरफ्तार करने मे भी जुटी हुई है।इसी कड़ी में महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा।इस संबंध में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि पुलिस की ग्राफ्ट से फरार चल रहा वारंटी अनिल कुमार गुप्ता पुत्र पारसनाथ निवासी मकान नंबर 796/704 कटरा गोसाईगंज थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या का न्यायालय सिविल जज (जू०डि०) एफ टी सी फैजाबाद के न्यायालय से गैर जमानती वारंट था। जो पुलिस की पकड़ से काफी दिनों से फरार था।जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

पूर्वआईएस अभिषेक सिंह ने निःशुल्क श्रवण कुमार महाकुंभ रथ का किया शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, प्रयागराज में सोमवार से महाकुंभ का आगाज होने पर समाजसेवी पूर्व आईएस अभिषेक सिंह के द्वारा जेसीज चौराहा से निरूशुल्क श्रवण कुमार महाकुंभ रथ सोमवार को शुभारंभ हुआ। इस मौके पर अभिषेक सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। वही श्रवण कुमार महाकुंभ रथ

में सवार दर्शनार्थियों ने इस नेक कार्य की खूब सराहना की और कहा कि महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए हम सभी लोग काफी उत्साहित हैं और काफी अच्छा लग रहा है पूर्व आईएस अभिषेक सिंह ने सभी जिले के लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में महाकुंभ में लोग पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाए और पुण्य के भागी बने। महाकुंभ के पहले दिन श्रवण कुमार महाकुंभ रथ में कुल 51 दर्शनार्थी सवार होकर प्रयागराज महाकुंभ के लिए हुए रवाना हुए और अभिषेक सिंह ने एक–एक दर्शनार्थियों से मिलकर उनका कुशल क्षेम जाना। मालूम हो कि पूर्व आईएस अभिषेक सिंह ने इससे पहले भी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण होने के बाद रामलला का दर्शन के लिए एक महीना निरूशुल्क बस सेवा लोगों के लिए उपलब्ध कराया था। इस नेक कार्य के लिए सभी जनपद के लोगों ने अभिषेक सिंह की सराहना की है। इस अवसर पर पूर्व डीआईजी कृपा शंकर सिंह, जितेंद्र सिंह, आशीष सिंह, वैभव सिंह, सभासद अंकित सिंह बिट्टू व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अलाव न जलवाने पर कचगांव के नगरवासियों ने किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जिले के नगर पंचायत कजगांव में इस भीषण ठंड के समय भी अलाव न जलने से आक्रोशित नगरवासियों ने सोमवार को विरोध–प्रदर्शन किया और कहा कि इस समय पड़ रही भीषण ठण्ड में भी नगर पंचायत में अलाव जलवाने के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति किया जा रहा है। ठीक ढ़ग से नगर पंचायत में अलाव नहीं जलवाया जा रहा है। नगरवासियों ने कहा कि जहां सरकार द्वारा ठण्ड से किसी व्यक्ति की मृत्यु न हो इसके लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं और नगर निकायों को अपने–अपने क्षेत्रों में अलाव जलवाने और राहगीरों को रात्रि विश्राम के लिए रैन बसेरा बनवाये जाने के निर्देश गये है। इसके बावजूद नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी द्वारा अलाव नहीं जलवाया जा रहा है। अलाव के नाम पर मात्र एकाध जगह एक दो लकड़ी जलवाकर अलाव के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी सरकार के द्वारा दिये गये निर्देश को दर किनार कर दिया गया है। इस नगर पंचायत में अलाव के अभाव के कारण राहगीर ठण्ड से पूरी तरह से परेशान नजर आ रहे हैं। नगरवासियों ने यह भी कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष सहित सभी जिम्मेदार लोगों को बार–बार अलाव जलवाने को कहने के वावजूद कोई सुनने वाला नहीं है। जैसे नगर पंचायत के जिम्मेदार लोग पूरी तरह से कुम्भ कर्मी निद्रा में लीन हो गये हो। नागरिकों ने इस बाबत जिलाधिकारी जौनपुर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नगर पंचायत कचगांव में पर्याप्त मात्रा में अलाव जलवाने हेतु संबंधित को निर्देश दिए जाने की मांग की है।

संतों के सानिध्य और मार्गदर्शन से ही जीवन को सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है : डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

शिव सत्संग मण्डल आश्रम हुसेनापुर धौकल में आयोजित स्वामी विवेकानंद जयंती उत्सव में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित ने विवेकानंद की जयंती की सभी को शुभ कामनाएं देते कहा कि संतों के सानिध्य और मार्गदर्शन से ही जीवन को सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिव सत्संग मडल में उपस्थिति होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने उपस्थिति बच्चों महिलाओं की उपस्थिति की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी जब भी किसी धार्मिक आयोजनों में जाएं तो अपने घरों के बच्चों को अवश्य ले जाएं। कहा कि स्वामी विवेकानन्द विश्वव्यापी संत थे।उनके आदर्शों पर चलकर ही समग्र जीवन को सफल बनाया जा सकता है। सत्संगी जनों और अभ्यगतों को संबोधित करते हुए कहा कि संत का स्मरण करने मात्र से ही जीवन में पवित्रता आती है।उनके आदर्शों को आत्मसात करें।उनके विचार,उनकी वाणी और कृत्य हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे। मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि कहा कि युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर हम सभी युवाओं को चलना चाहिए। उन्होंने स्वामी जी को सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बताया और उनके जीवन से सीख लेने की बात कही।

ओम प्रकाश ने कहा कि कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का कथन था कि उठो जागो और तब तक मत रुको तब तक लक्ष्य प्राप्त न कर लो,उनके सिद्धांत को आप सभी अपने जीवन में उतार कर आगे बढ़ें। शाहजहाँपुर के जिला महामंत्री रजनीश सक्सेना ने कहा कि भारत के सभी क्रांतिकारी स्वामी विवेकानन्द के वैचारिक अनुगामी रहे। उन्होंने दुनिया को एक परिवार के समान माना।शिकागो धर्म सम्मेलन में उन्होंने पूरे विश्व को भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। स्वामी जी विश्व में सनातन धर्म के ध्वजवाहक रहे।

व्यवस्थापक यमुना प्रसाद ने कहा कि स्वामी जी ने बताया कि करुणा वश दूसरों की भलाई करना उत्तम है परंतु शिव ज्ञान से जीव सेवा करना सर्वोत्तम है।

इसके अलावा सुदामा देवी,सोनपाल,

नन्हें लाल, इंस्पेक्टर आदि ने भी अपने अपने विचार व्यक्त कर स्वामी विवेकानंद जी के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

अम्बरीष कुमार सक्सेना के संचालन में हुए स्वामी विवेकानंद जयंती उत्सव का शुभारंभ जिलाध्यक्ष प्रेम भाई ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। रोहित वर्मा ने सामूहिक ईश प्रार्थना प्रस्तुत की। योग प्रशिक्षक सत्यम सक्सेना, श्री कृष्ण, धनिराम, रोहित आदि ने प्रेरणा दाई भजन सुनाए।सभी भक्तजनों ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धा सुमन अर्पित किये।

इस उत्सव में महात्मा शांतानंद, पुलिस उपनिरीक्षक आकाश कुमार, राम लखन, विजय

यादव, गंगा सिंह यादव, धर्मेंद्र सिंह, राम बरन, श्याम कुमार त्रिवेदी,शाश्वत त्रिवेदी, विराज,रामपाल, भाजपा के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, सभासद रमाकांत मौर्य, प्रभाकर त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त जन मौजूद रहे।

केक क्राफ्ट बाई नीतिका के बैनर तले फ्लेवर फाइट सीजन 2 का फाइनल राउन्ड आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केक क्राफ्ट बाई नीतिका के बैनर तले आयोजित फ्लेवर फाइट सीजन 2 का फाइनल राउन्ड उत्तर प्रदेश महोत्सव बिठौली चुंगी , सीतापुर रोड में आयोजित किया गया। इस दिलचस्प प्रतियोगिता में पहले स्थान पर प्रिया सर्राफ अभिषेक सिंह दूसरे स्थान पर और तीसरे स्थान पर प्रतिमा तिवारी रही । प्रतियोगिता में प्रतिभागियो ने राजस्थानी थाली, मिलेट्स के दही भल्ले, आंवले के लड्डू ,बाजरे की राब, इटेलियनश पास्ता,

सेवई कटोरी सहित स्वादिस्ट पकवान तैयार किए थे। इस कार्यक्रम के निर्णायक मण्डल में सेलिब्रिटी शेफ अलका सिंह तोमर, मास्टर शेफ विनीत यादव और मास्टर शेफ नंदिनी दिवाकर रहे। संदीप कौर और निहारिका आहूजा ज्यूरी में थी। इसमे लखनऊ से 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद रीता राय और अनूप कमल मौजूद थे। इस कार्यक्रम की आयोजिका नीतिका सक्सेना थी और सहआयोजक मनीष सक्सेना, निधि सक्सेना भी उपस्थित रही। इस कार्यक्रम में कुछ टाइटल अवार्ड भी थे जो सुनीता साहू, और गीता प्रजापति, शीलू, सुनीता, तनुष, सुमन मल, शगुन, भूमि, रेनू ,रोहित और नीतू को दिए गए।

फसल को जलजमाव से बचाने के लिए सिंचाई का सही प्रबंधन बेहद जरूरी : कृषि रक्षा अधिकारी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनीत कुमार ने बताया है कि सर्दियों का मौसम गेहूं की फसल के लिए अनुकूल तो होता है, लेकिन ठंड और पाले के कारण फसल को नुकसान पहुचने का खतरा भी रहता है। ठंड के मौसम में फसल को जलजमाव से बचाने के लिए सिंचाई का सही प्रबंधन बेहद जरूरी है। उन्होंने कृषक भाईयों से कहा है कि बारिश के पाले के प्रभाव को कम करने के लिए खेतों में हल्की सिंचाई करें। यह फसल के तापमान को स्थिर बनाए रखता है। इसके अलावा, खेतों के चारों ओर घास या कचरे का ढेर जलाने से भी पाले का असर कम किया जा सकता है। ठंड के मौसम में धुआं करने का यह पारंपरिक तरीका बेहद प्रभावी साबित होता है। सर्दियों में फसल में पीलापन दिखाई देने पर नाइट्रोजन (यूरिया) का अत्यधिक उपयोग न करें। कोहरे या बादल

भरे मौसम में नाइट्रोजन का छिड़काव करने से बचें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से यूरिया का प्रयोग करें। यदि फसल की वृद्धि धीमी हो रही है, तो 02 प्रतिशत क्लोरमेक्वेट क्लोराइड 50 प्रतिशत एस०एल० + वाणिज्यिक उत्पाद के 01 प्रतिशत पर टेबुकोनाजोल 259 प्रतिशत ई0सी0 के टैंक मिक्स सम्मिश्रणों का पहला छिड़काव 160 लीटर एकड़ पानी का उपयोग करके प्रथम नोड अवस्था (50–55 दिन) जैसे रसायनों का उपयोग पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए किया जा सकता है। यह पौधों की सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

हजरत अली की पैदाइश की खुशी में सजीं महफिल शायरों ने की मदहे मौला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुसलमानों के खघ्लीफा शियो के पहले इमाम मौलाए कायनात हजरत इमाम अली अलैहिस्सलाम के जन्मदिवस के मौके पर स्थान मरहूम सैय्यद अली शब्बर के निवास मोहल्ला अजमेरी मे एक महफिल सजी ष्बजमे मौलूदे काबाष जिसमें शायरों ने हजरत अली की शान में अपने कलाम पेश किए। कसीदे सुनकर श्रृद्धालु मंत्रमुग्ध होते रहे और खघ्ूब वाह वाही किया। इससे पहले महफिल का आगाज धर्मगुरु मौलाना सैय्यद सफदर हुसैन जैदी ने कुरआन–ए–पाक की तिलावत से किया और हजरत अली की जिंदगी पर रोशनी डालते हुए कहा कि हजरत अली अलैहिस्सलाम की जिन्दगी हर इंसान के लिए आइडियल और नमूना है। उन्होंने हाकिम और वली होने के साथ उम्मत की रहबरी जब से जब तक सभाली तारीख गवाह है कि उस दौरान कोई भी भूखा नहीं रहा किसी के साथ नाइंसाफी नही हुई। जो कि आज के दुनिया में तमाम हाकिमों के लिए एक सबकघ् हैं। महफिल का मिसरा ष्दर नया खोला गया है काबे की दीवार मेष रहा जिसपर शायरो ने अपने कलाम पेश किये। मौलाना सै. आबिद रजा रिजवी मोहम्मदाबादी ने पढ़ा कि– एक अलीए खघमनाई ने पढ़ाया था जुमा, कितना दम है देख ले दुनिया मेरी दस्तार मे। नजमी जौनपुरी ने पढ़ा– जिक्र से हैदर के जीनत दो तुम अपनी बज्म को, लाएगा तब्दीलियाँ ये आपके किरदार में। राहिब जौनपुरी ने पढ़ा– आमदे मालाएं गुल से है मुनव्वर दो जहाँ, नूर बरसा आसमा से गुल खिले गुलजार मे। रविश जौनपुरी ने पढ़ा– हम सही हो जाए गर से सब सही हो जायेगा, है कमी कितनी मेरे अन्दर मेरे किरदार मे। तनवीर जौनपुरी ने पढ़ा– तेरी सूरत आइना दारे सिफाते किबरिया, एक अलग मेराज पिनहा है तेरे दीदार मे। महफिल में शायरो शादाब जौनपुरी, जीशान अकबरपुरी, मौलाना सै शाजान जैदी, कैफी मोहम्मदाबादी, आमिर कजगांवी, ताबिश काजमी, अली अब्बास, अनवर जौनपुरी, वजीहघ्, मेहंदी जैदी, शोजब भादवी, एतेशाम रूधौलवी, खघ्मैनी, अबु तालिब जैदी, साहेबरजा, मूसा, अजादार, वसीम, तालिब, जमानत आदि शायरो ने मौला अली की शान मे कसीदे पढ़े। अन्त मे नज्र–ए–मौला अली हुई और लोगो की सलामती तरक्की की दुआ कराई गई। लोगों ने एक–दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद पेश की और खुशियां मनाईं। संचालन सै. मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर कायम आब्दी, आरिफ हुसैनी, सै मो हसन नसीम, इसरार हुसैन एडवोकेट, मुफ्ती नजमुल हसन, दानिश काजमी, मुफ्ती शारिब, असद, इनायत अब्बास काजमी, अनवारूल हसन, मासूम आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता पूरे जोश में, 6 मैच खेले गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट – सीजन 1 ने 12 जनवरी 2025 को लखनऊ के विभिन्न मैदानों में खेले गए छह रोमांचक मैचों के साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। ठंड के बावजूद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रतिस्पर्धा को उच्च स्तर पर बनाए रखा। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने अपनी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए अपनी जर्सी पर अपने नाम के बजाय अपनी मां का नाम अंकित करवाने का अनूठा और दिल को छू लेने वाला कदम उठाया है। इस पहल ने मैचों को और अधिक भावनात्मक और प्रेरक बना दिया है। राइजिंग फीनिक्स और बेशिंग बॉयज 11 के बीच हुए मुकाबले में राइजिंग फीनिक्स ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। 141 रन का लक्ष्य 18.5 ओवर में हासिल करने में दीपक त्रिपाठी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 27 रन बनाए और 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। करियर क्रिकेट स्टेडियम में करियर लायंस ने डिवाइन हार्ट 11 को 9 विकेट से हराया। करियर लायंस ने 111 रन का लक्ष्य केवल 12.1 ओवर में प्राप्त कर लिया। जेके ने 18 रन देकर 3 विकेट लिए और मैन ऑफ द मैच बने। सीएसडी सहारा क्रिकेट ग्राउंड में बीडब्ल्यूसीए ने बाबा ग्प को 12 रनों से हराया। रिषभ वर्मा ने 3 विकेट लेकर 19 रन दिए और मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। इसी मैदान पर सीआईडी ने अनप्रेडिक्टेबल ट्राइटन्स को 7 विकेट से हराया। राजेश दुबे ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए और मैन ऑफ द मैच बने। सुपरनोवा ने करियर क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट बडीज को 8 विकेट से हराया। आयुष अग्रवाल ने 4 गेंदों पर 22 रन बनाए और 2 ओवर में केवल 7 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके इस हरफनमौला प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

एसजीपीजीआई ग्राउंड में यूईईपीएल ने एसजीपीजीआई क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराया। संतोष उपाध्याय ने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए और मैन ऑफ द मैच बने।

नर्सिंग अफसर के घर से लाखों का माल समेटा

वाराणसी, (संवाददाता)। शिवपुर थाना क्षेत्र के होलापुर चुप्पेपुर निवासी सेवालाल पटेल की बहू सीमा एम्स पटना में नर्सिंग ऑफिसर हैं। बीते 10/11 जनवरी की रात्रि में छत के रास्ते उनके घर में चोर घुस आए। चोरों ने नकदी–आभूषण सहित लाखों का माल समेट लिया। जानकारी के अनुसार, मकान के दूसरे तल पर कमरे का ताला तोड़ अलमारी के लॉक को तोड़ 70 हजार रुपये, बच्चों के गुल्लक, सोने की पांच चेन, सोने की 10 अंगूठी, चार जोड़ी कंगन, सोने की 12 नग, सोने का गोल वाला नथिया, सोने के छह किल, सोने के दो हार, सोने की दो मांग टीका चोर उठा ले गए। चोरी गए सामानों की कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं, पीड़िता सीमा सिंह ने बताया कि मैं अपने पति उमेश, जो बिल्डिंग मटेरियल का काम करते हैं, उनके साथ बीते 14 दिसंबर को पटना (बिहार) गई थे। बीते 11 जनवरी यानी शनिवार की शाम पांच बजे पहले तल पर रहने वाले मेरे देवर वीरेंद्र सिंह ने फोन करके मुझे बताया कि आपके कमरे का ताला टूटा हुआ है। सारा सामान बिखरा पड़ा है। इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई। बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम जांच–पड़ताल कर वापस चली गई। भुक्तभोगी सीमा के अनुसार, उनकी और उनके बहन की शादी का सारा सामान उन्हीं के पास पड़ा था।

भाजपा सांसद समाज को तोड़ने वाले सुन लें.. . महाकुंभ का यही संदेश एक रहेगा भारत देश

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग आज समाज को तोड़ने की बात कर

रहे हैं उन्हें देखना चाहिए कि महाकुंभ में जाने वाले लोगों से क्या पहचान पूछी जा रही है? महाकुंभ का यही संदेश एक रहेगा भारत देश। उन्होंने कहा कि गंगा की अविरल धारा न बंटे समाज हमारा। सुधांशु त्रिवेदी प्रतिष्ठा द्वादशी के आयोजन में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 500 साल के बाद यह मौका आया था जब प्रभु श्रीराम अपने मंदिर में विराजमान हुए। अब इस पावन अवसर की वर्षगांठ मनाई जा रही है जिस तरह से हमारा देश तरक्की कर रहा है उससे यही कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम सिर्फ अपने आवास में नहीं आए हैं बल्कि देश के गरीबों के लिए 4 करोड़ आवास लेकर आए हैं। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। देश को 74 नए एयरपोर्ट मिले हैं। 450 नए विश्वविद्यालय मिले हैं और 300 नए मेडिकल कॉलेज मिले हैं। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ ही अबूधाबी में भी मंदिर का निर्माण हुआ है। इसके साथ ही भारत और मध्य पूर्व कॉरिडोर भी बनाया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि कई राजनीतिक दल वे जो कि चाहते थे कि राम मंदिर न बने पर उन्हें भी आज ये सच स्वीकार करना पड़ रहा है। जनता सब जानती है कि कौन वास्तविकता में साधु संत है और कौन साधु का वेश धरकर घूम रहा है।

डिप्टी सीएम ने मिल्कीपुर उपचुनाव और एचएमपीवी वायरस को लेकर किया बड़ा दावा

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में रविवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक पहुंचे। यहां उन्होंने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर आयोजित प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में भाग लिया और रामलला का दर्शन पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने मिल्कीपुर उपचुनाव और देश में तेजी के साथ फैल रहे एचएमपीवी वायरस को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के प्रचंड जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी भारी मतों से मिल्कीपुर का उपचुनाव जीतेगा। इसके साथ ही देश में तेजी के साथ फैल रहे एचएमपीवी वायरस को लेकर कहा कि यह हल्का वायरस है जो मामूली

जुकाम के साथ तीन दिन में समाप्त हो जा रहा है। उन्होंने कहा कि रामलला के भव्य मंदिर में लोकार्पण के उपरांत एक वर्ष पूरा हो चुका है। ऐसे शुभ अवसर पर अयोध्या से देश और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को भी आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राम मंदिर को भव्यता प्रदान हुई। प्रधानमंत्री के लिए देश और दुनिया के रामभक्त आभार प्रकट कर रहे हैं। महाकुंभ की तैयारी को लेकर कहा कि कल ही हम लोगों ने महाकुंभ की समीक्षा बैठक की है। बहुत अच्छी तैयारी है। अलौकिक दिव्य और भव्य महाकुंभ होने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हरदोई-लखनऊ हाईवे पर पुल का उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। हरदोई–लखनऊ नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम बुधड़िया टिकैतगंज में बेहता नाला पुल का शनिवार को उद्घाटन हुआ। इससे निवासियों और यात्रियों को आने–जाने में सुविधा होगी। परियोजना के मैनेजिंग डायरेक्टर नैनजीत सिंह सोबती ने पुल का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि ईपीसी माध्यम के तहत इस पुल के निर्माण को तय अवधि से पहले ही पूरा कर लिया गया। इस मौके पर डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर सूरज जायसवाल, जगवीर सिंह और राहुल चक्रेश भी मौजूद रहे।

लिवइन पार्टनर व उसके घरवालों के खिलाफ हत्या की दी तहरीर

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरानगर के सेक्टर–9 में किराये पर रहने वाले आशीष मिश्रा (28) की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में उनकी मां विजय लक्ष्मी ने बेटे की लिवइन पार्टनर युवती व उसके परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। इंदिरानगर थाने में तहरीर भी दी है। आरोप है कि अस्पताल ले जाते वक्त आरोपियों ने बेटे की हत्या कर दी। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग आया था। तहरीर मिली है। शनिवार को इंस्पेक्टर अंकित के किराए के घर पर जांच के लिए गए थे। बता दें कि जोमैटो कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर आशीष मिश्रा मूलरूप से देहरादून के रायवाला हरिहरपुर के रहने वाले थे। वह ढाई साल से युवती के साथ लिवइन में थे। दोनों की 15 फरवरी को शादी होने वाली थी। बृहस्पतिवार रात संदिग्ध हालात में उनकी मौत हो गई थी।

बिना लाइसेंस कुत्ता टहलाने पर लगा जुर्माना

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम पशु कल्याण विभाग की ओर से शनिवार सुबह जोन आठ में पालतू कुत्ते के लाइसेंस चेक किए गए। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि बंगला बाजार चौराहा, खजाना मार्केट, एलडीए कॉलोनी आदि के क्षेत्र में सात लोगों को बिना लाइसेंस कुत्ता टहलाते पाया गया। इनसे 35,000 रुपये जुर्माना वसूला गया। मौके पर सात लाइसेंस बनाए गए। एक लेब्राडोर जब्त किया गया, जिसे बाद में जुर्माना लेकर छोड़ दिया गया।

दो कार व एक टेंपो का दोपहिया में कराया बीमा

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज थानाक्षेत्र के सूरजदीप कॉम्प्लेक्स में स्थित रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के दफ्तर से चार लोगों ने दस्तावेजों में हेराफेरी करते हुए दो कार और एक टेंपो का दोपहिया के तहत ऑनलाइन बीमा करा लिया। मामले में कंपनी ने शुक्रवार को तीन रिपोर्ट दर्ज कराई हैं। इंश्योरेंस कंपनी में रिस्क कंटेनमेंट यूनिट मैनेजर हिमांशु के मुताबिक जांच में पाया गया कि पॉलिसी धारकों ने दस्तावेजों में हेराफेरी करते हुए कार व टेंपो को दोपहिया वाहन दर्शाया था। कार (डीएल 02 सीएटी 6918) के पॉलिसी धारक करदमपुर नार्थ ईस्ट दिल्ली निवासी अफलाल हुसैन, कार (यूपी 32 एलएन 4219) के मालिक मड़ियांव के मोहिबुल्लापुर निवासी आदित्य कुमार व मलिहाबाद निवासी गजोधर और टेंपो (यूपी 80 सीटी 8028) के पॉलिसी धारक मनीषनगर बिचपुरी रोड बोदला आगरा निवासी पप्पन माहोर के खिलाफ हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसीपी विकास जायसवाल ने बताया कि पॉलिसी धारकों से पूछताछ की जाएगी। दस्तावेज देखने पर फर्जीवाड़े की पूरी जानकारी मिल सकेगी। आशंका है कि फर्जीवाड़ा काफी बड़ा है। सूत्र बताते हैं कि इसके पीछे किसी एजेंट का हाथ है। एजेंट बीमे की पूरी रकम लेकर कागजों में हेरफेर कर कार व तीन पहिया वाहनों का चंद रुपये में दोपहिया में बीमा करा लेते हैं। फिलहाल उक्त मामले में यह तय होना बाकी है कि पॉलिसी धारकों ने किसी एजेंट से बीमा कराया था या खुद किया था।

अंधेरा और बादल गरजने की आवाज के बीच शिव-शिव का उद्बोधन

लखनऊ, (संवाददाता)। चारों तरफ अंधेरा, बादल के गरजने की आवाज और शिव–शिव का उद्बोधन...। दर्शकों ने यह नजारा गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी के सभागार में नाटक महादेव मंचन के दौरान देखी, जहां शिव और सृष्टि का शानदार स्वरूप दर्शाया गया था। शांति के माहौल के बीच सभी दर्शकों की निगाहें सभागार में महादेव के मंचन पर टिकी रहीं।

मुंबई के कलाकारों और कारवां थिएटर की ओर से मंचित यह नाटक महिला शृंखला की कड़ी थी, जिसमें मयूरभंज छाऊ, मणिपुर मार्शल आर्ट और प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट कला का समावेश देखने को मिला। देश की लोक कला भी प्रदर्शित की गई। ये नाटक शासन और सामाजिक व्यवस्था पर आधारित थी। नाटक भगवान शिव को चित्रित करता है। बताया गया कि वह अपने सभी रूपों में आम आदमी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद समुद्र मंथन के दौरान, शिव ने दुनिया को बचाने के लिए जहर पीया था और इस प्रकार उन्हें नीलकंठी कहा जाता है।

समाज में द्वेष हिंसा एवं विश्वासघात का जहर है, उसको भी शिव ने मुस्कुराहट के साथ सब स्वीकार कर लिया। फिर भी शांतचित्त देवता के रूप में उनको माना जाता है। विध्वंसक, शिव के क्रोध के कारण उनसे डरता है। उनका क्रोध सर्वनाश कर सकता है इस संपूर्ण ब्रह्मांड का। और ये नीलकंठ बिल्कुल वही है जो एक आम आदमी हर दिन कठिनाई एवं संघर्ष रूपी विष पीता है। मंचन में हर मिनट में नाटक और समाज के बीच समानता दिखती है। नाटक प्रस्तुति में श्रेय यूनी प्लेयर अनामिका श्रीवास्तव, शैलेन्द्र कुमार, सिमरन अवस्थी, और रवि गुप्त का सहयोग रहा।

महिला के पेट से पांच किलो का ट्यूमर निकाल बचाई जान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने बच्चेदानी से चिपके करीब पांच किलो का ट्यूमर निकालकर महिला को नई जिंदगी दी है। यह ट्यूमर दिल से पैर तक खून पहुंचाने वाली धमनी से जुड़ा था। ट्यूमर का आकार और वजन बढ़ने से महिला को मल, मूत्र त्यागने में दिक्कत आ रही थी। डॉक्टरों के मुताबिक इस ट्यूमर को चिकित्सीय भाषा में सब सिरोसल फाइब्राइड कहा जाता है। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव व सर्जन डॉ. आनंद मिश्र ने बताया कि देवरिया की 50 वर्षीय महिला को परिजन ओपीडी ले गए। यहां जांच में ट्यूमर बच्चेदानी से चिपका मिला। इससे महिला को कब्ज की शिकायत व पेशाब में जलन भी रहती थी। डॉक्टरों ने करीब चार घंटे तक ऑपरेशन कर ट्यूमर निकाल दिया। एनिमिक होने से महिला को कई यूनिट खून भी चढ़ाया गया। डॉ. आनंद ने बताया कि पेट में फैले इस ट्यूमर को दिल से पैरों तक खून पहुंचाने वाली धमनी इनफिरिअर वेनाकोवा (आईवीसी) से खून की आपूर्ति होने से आकार बढ़ रहा था। यह ट्यूमर आंत के साथ ही आईवीसी, एब्डामल एरोटा धमनी, यूरेटर को दबा रहा था। महिला ने पहले भी ट्यूमर को ऑपरेट कराया था, पर वह कुछ वर्ष में फिर से बढ़ गया। ऑपरेशन बाद महिला स्वस्थ है। सर्जरी टीम में डॉ. आनंद मिश्रा, रेजिडेंट डॉ. सचिन कुमार, एनेस्थीसिया डॉ. एसके सिंह, ओटी टेक्नीशियन सुदेश कुमार व सविता चौधरी शामिल रहीं। डॉ. आनंद मिश्रा ने बताया ट्यूमर आंतों से चिपका था। साइज लिवर तक पहुंचने से ट्यूमर को सभी बड़ी खून की नलियों से आपूर्ति हो रही थी। ट्यूमर से पेशाब नली दबी थी। ऐसे में इन सभी नली व आंतों को छुड़ाना चुनौती भरा था। इसमें आंतों के फटने व अधिक रक्तस्त्राव होने की संभावना थी।

संक्षिप्त समाचार

अक्षिता ने लिखा था, जिंदगी मुश्किल होती जा रही है...

लखनऊ, (संवाददाता)। मल्हौर स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में बीए एलएलबी द्वितीय वर्ष की छात्रा अक्षिता उपाध्याय (20) की आत्महत्या का मामला उलझता जा रहा है। सुसाइड नोट में अक्षिता ने लिखा है कि जिंदगी मुश्किल होती जा रही है। उन्होंने दबाव में होने की बात भी लिखी है। पुलिस अब अक्षिता के मोबाइल फोन के जरिये आत्महत्या की वजह पता लगा रही है। अक्षिता ने लिखा था कि मैंने अपनी वजह से सब खराब किया है। मम्मी–पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं, लेकिन आप लोग मुझसे बेहतर बेटी डिजर्व करते हैं। मैं अपनी वजह से सभी को तकलीफ दे रही हूं। प्लीज, किसी को जिम्मेदार मत ठहराना, हो सके तो मुझसे नफरत मत करना। नोट में लिखा है कि जो मैंने किया वह मेरी गलती है। मैं इसे सहन नहीं कर पा रही हूं। इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकती.. यह कदम मेरा है। मैंने अपनी वजह से ऐसा किया है। किसी ने मुझे मजबूर नहीं किया। सभी लोग मुझसे नफरत करते हैं... मुझे पता है। आज मैं ऐसी स्थिति में हूं कि मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा है। शायद मैं चीजों को समझ जाती तो मेरे साथ ऐसा नहीं होता। अक्षिता ने एक पेज के सुसाइड नोट में विवि के बारे में भी जिक्र किया है। लिखा है, यूनिवर्सिटी बहुत कठिन और मुश्किल जगह है। मुझे पता है कि इसके बाद आप दोनों मुझसे नफरत करेंगे। लेकिन मैंने आप दोनों को बहुत प्यार किया। प्लीज, मुझे गलत मत समझना। मैं हमेशा आपको अपने पास रखना चाहती थी। मुझे उम्मीद है कि आप सब समझेंगे। मुझे माफ करना, ये मेरी गलती है किसी दूसरे की नहीं। चिनहट पुलिस अक्षिता के सुसाइड नोट के आधार पर विवि प्रशासन से पूछताछ करेगी। एसीपी विभूतिखंड राधा रमण सिंह का कहना है कि सभी पहलुओं पर छानबीन की जाएगी। परिजनों ने कोई शिकायत नहीं की है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

साहिबजादे साहस और देश के प्रति बलिदान के प्रतीक : प्रो. पवन सिन्हा

लखनऊ, (संवाददाता)। साहिबजादे साहस और देश के प्रति बलिदान के प्रतीक हैं। इनसे धर्म के प्रति निष्ठा की सीख मिलती है। गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, लेकिन अपने धर्म से नहीं हटे। इनसे राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का भी संदेश मिलता है। युवाओं के प्रेरक वीर बाल शहीद विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. पवन सिन्हा ने ये बातें कहीं। वह साहनी मार्ग स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में शनिवार को स्वामी विवेकानंद यूथ वेलफेयर सोसाइटी व उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चार साहिबजादों पर चर्चा करते हुए कहा कि आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके जीवन से सीखकर निर्भीक, निर्भय होना चाहिए। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि साल 2022 से भारत सरकार ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विधायक डॉ नीरज बोरा, निदेशक राज बहादुर, सोसाइटी अध्यक्ष अनुराग साहू, कार्यक्रम समन्वयक अरविंद नारायण मिश्रा, मुख्य वक्ता आध्यात्मिक गुरु प्रो. पवन सिन्हा आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यक्रम समन्वयक अरविंद नारायण मिश्रा ने विद्वानों को प्रतीक चिह्न व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। वरिष्ठ पंजाबी विद्वान नरेंद्र सिंह मोंगा, दविंदर पाल सिंह बग्गा, पंजाबी विदुषी मेजर डॉ. मनमीत कौर सोढ़ी, युवा पंजाबी विदुषी रनदीप कौर ने भी साहिबजादों पर विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर प्रियंक गुप्ता, माया आनंद, राजू साहू, सतीश वर्मा, मानू गुप्ता, अभिनव गुप्ता, शिवम सिंह, अमरनाथ अग्रवाल, संजय जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

अग्निवीर बनने की चाह में युवाओं ने लगा दी जी-जान

लखनऊ, (संवाददाता)। सर्दी व ठिठुरन में रात बिताने के बाद शनिवार सुबह जब युवा मैदान पर पहुंचे तो उन्होंने फिजिकल फिटनेस पास करने के लिए जी–जान लगा दी। ऐसा दौड़े कि सैन्य अफसर देखते रह गए। लंबी व ऊंची कूद से दिल जीत लिया। युवाओं ने अपने जज्बे से वातावरण में गर्मजोशी भर दी। छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) स्टेडियम में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के दूसरे दिन फतेहपुर व गोंडा जिले के युवाओं ने दम दिखाया। अभ्यर्थी बीती रात दो बजे रिपोर्टिंग के लिए स्टेडियम गेट पर पहुंचे, जिसके बाद उनका एडमिट कार्ड व अन्य दस्तावेज जांचे गए। रैली में जनरल ड्यूटी (जीडी) श्रेणी के लिए फतेहपुर जिले के तहत बिंदकी, फतेहपुर, खागा तहसील और गोंडा के तहत गोंडा, तरबगंज, मनकापुर और कर्नलगंज तहसील के अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। कुल 1300 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिसमें से 1039 अभ्यर्थियों ने रैली में भाग लिया। वहीं, रविवार को भर्ती रैली में कन्नौज जिले के अंतर्गत छिबरामऊ, कन्नौज, तिर्वा और हसेरन तहसील और हमीरपुर जिले के अंतर्गत हमीरपुर, राठ, सरीला और मौदहा तहसील के अभ्यर्थी भाग लेंगे। मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि रैली 10 से 22 जनवरी तक चलेगी। इसमें 13 जिलों औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के तकरीबन 10 हजार शॉर्टलिस्ट किए गए, अभ्यर्थी शामिल होंगे। युवाओं ने अग्निवीर बनने की चाहत में स्टेडियम के ग्राउंड पर दौड़ में अपनी प्रैक्टिस का जलवा दिखाया। कुछ अभ्यर्थियों ने 1600 मीटर की दौड़ तय समय से पूर्व ही पूरी कर ली, जबकि कई ने सुस्त शुरुआत की, पर दूसरे राउंड के बाद रफ्तार पकड़ी। वह ऐसे दौड़े कि दिल जीत लिया। दौड़ के बाद युवाओं को नौ फीट की डिच पार करनी थी। उसे कूदकर दूसरी ओर पहुंचना था। इस टेस्ट के बाद युवाओं ने जिग–जैग चलकर अपने संतुलन का परिचय दिया और चिनअप्स में बाजुओं की ताकत से रूबरू कराया। 10 में छह चिनअप्स करने वालों को पास किया गया। फिर चार फीट की ऊंची कूद कराई गई, जिसमें कई युवा लड़खड़ा गए। हालांकि, सैन्य अफसरों ने उन्हें कूदने के तरीके भी बताए।

चार घंटे के ऑपरेशन के बाद महिला के पेट से निकाला पांच किलो का ट्यूमर

लखनऊ, (संवाददाता)। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने बच्चेदानी से चिपके करीब पांच किलो का ट्यूमर निकालकर महिला को नई जिंदगी दी है। यह ट्यूमर दिल से पैर तक खून पहुंचाने वाली धमनी से जुड़ा था। ट्यूमर का आकार और वजन बढ़ने से महिला को मल, मूत्र त्यागने में दिक्कत आ रही थी। डॉक्टरों के मुताबिक इस ट्यूमर को चिकित्सीय भाषा में सब सिरोसल फाइब्राइड कहा जाता है। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव व सर्जन डॉ. आनंद मिश्र ने बताया कि देवरिया की 50 वर्षीय महिला को परिजन ओपीडी ले गए। यहां जांच में ट्यूमर बच्चेदानी से चिपका मिला। इससे महिला को कब्ज की शिकायत व पेशाब में जलन भी रहती थी। डॉक्टरों ने करीब चार घंटे तक ऑपरेशन कर ट्यूमर निकाल दिया। एनिमिक होने से महिला को कई यूनिट खून भी चढ़ाया गया। डॉ. आनंद ने बताया कि पेट में फैले इस ट्यूमर को दिल से पैरों तक खून पहुंचाने वाली धमनी इनफिरिअर वेनाकोवा (आईवीसी) से खून की आपूर्ति होने से आकार बढ़ रहा था। यह ट्यूमर आंत के साथ ही आईवीसी, एब्डामल एरोटा धमनी, यूरेटर को दबा रहा था। महिला ने पहले भी ट्यूमर को ऑपरेट कराया था, पर वह कुछ वर्ष में फिर से बढ़ गया। ऑपरेशन बाद महिला स्वस्थ है। सर्जरी टीम में डॉ. आनंद मिश्रा, रेजिडेंट डॉ. सचिन कुमार, एनेस्थीसिया डॉ. एसके सिंह, ओटी टेक्नीशियन सुदेश कुमार व सविता चौधरी शामिल रहीं। डॉ. आनंद मिश्रा ने बताया ट्यूमर आंतों से चिपका था। साइज लिवर तक पहुंचने से ट्यूमर को सभी बड़ी खून की नलियों से आपूर्ति हो रही थी। ट्यूमर से पेशाब नली दबी थी। ऐसे में इन सभी नली व आंतों को छुड़ाना चुनौती भरा था। इसमें आंतों के फटने व अधिक रक्तस्त्राव होने की संभावना थी।

रोजगार उपलब्ध कराने में आर्किटेक्ट्स की भूमिका अहम : राकेश सचान

लखनऊ, (संवाददाता)। इकाना स्टेडियम में लखनऊ आर्किटेक्ट फेस्टिवल के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि रोजगार और व्यवसाय के अवसर उपलब्ध कराने में आर्किटेक्ट्स की भूमिका अहम है। सरकार एमएसएमई के जरिये युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर दे रही है। निर्माण क्षेत्र में एमएसएमई इकाइयों की स्थापना में सब्सिडी व अन्य सुविधाएं भी दे रही है। कहा कि भवन निर्माण क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों, निर्माण क्षेत्र में काम व इसमें रुचि रखने वालों के लिए यह महोत्सव फायदेमंद साबित होगा। शनिवार को

महोत्सव के दूसरे दिन संस्थानों के कैंपस प्लानिंग विषय पर आर्किटेक्ट संजय कविंडे और अमित सिंह ने बेहतर योजना और डिजाइन की आवश्यकता पर जोर दिया। विशाल मित्तल, देवेश मणि त्रिपाठी और भारतीय प्लंबिंग एसोसिएशन के राजेश सिंह ने गगनचुंबी इमारतों में आग से बचाव व फायर ड्रिल की जरूरत बताई। उद्योग और आर्किटेक्ट्स के बीच समन्वय विषय पर हुई।

देश में पहली बार अग्निवीर भर्ती रैली पर सीसीटीवी से नजर

लखनऊ। अग्निवीर भर्ती रैली में पहली बार सीसीटीवी से नजर रखी जा रही है। 40 से अधिक सीसीटीवी लगाए गए हैं। इसके लिए रैली स्थल पर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है, जहां अभ्यर्थियों का रिकॉर्ड भी डिजिटली मॉनिटर किया जा रहा है। यह अपने तरह का अनूठा प्रयोग है। इसके अतिरिक्त शिकायत प्रकोष्ठ भी बनाया गया है। इससे अभ्यर्थियों को अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए सेना भर्ती कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा। मुख्यालय भर्ती क्षेत्र (यूपी और उत्तराखंड) के भर्ती कार्यालय लखनऊ के एडीपी रिक्रूटिंग मेजर जनरल मनोज तिवारी ने बताया कि कमांड–एंड–कंट्रोल सेंटर के जरिए गेट के बाहर मौजूद अभ्यर्थियों से लेकर दस्तावेज जांच, दौड़, जिग–जैग व अन्य फिटनेस टेस्ट तक पर नजर रखी जा रही है। किन जिलों से कितने अभ्यर्थी आए, कितने पास हुए, कितने फेल, इसका ब्योरा डिजिटली रखा जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रयास के पीछे यह उद्देश्य है कि भर्ती रैली को अधिक से अधिक पारदर्शी बनाया जाए। भर्ती रैली में पास होने वाले अभ्यर्थियों को टी–शर्ट दी जा रही है, ताकि उनका प्रोत्साहन हो। वहीं जो अभ्यर्थी विफल होकर लौटते हैं, उनके लिए बाहर टीशर्ट मिल रही है, जिन पर अग्निवीर भर्ती रैली प्रिंटेड है। इससे अग्निवीर योजना का प्रमोशन हो सकेगा।

शिकायत प्रकोष्ठ से बढ़ेगी पारदर्शिता

उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा देखा गया है कि फेल होने वाले अभ्यर्थी भेदभाव के अनर्गल आरोप लगाते हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों को शिकायत होने पर तत्काल स्थल पर मौजूद शिकायत प्रकोष्ठ (ग्रीवांस सेल) में अपनी शिकायत दर्ज कराने का मौका मिलेगा। उन्हें सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग भी दिखाई जाएगी, ताकि वे संतुष्ट होकर बाहर निकलें।

खेल–खेल में घर में लगी आग, तीन मासूम फंसे

लखनऊ, (संवाददाता)। जानकीपुरम की सीता विहार कॉलोनी में शनिवार सुबह बच्चों के खेल में सुरेश प्रताप सिंह के मकान में आग लग गई। धुएं व लपटों में तीनों बच्चे फंस गए। किसी तरह तीनों ने बाहर भागकर जान बचाई। दमकल के पहुंचने से पहले ही पड़ोसियों ने निर्माणाधीन मकान में लगे सबमर्सिबल से 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया। हादसे में पांच हजार रुपये व सामान जल गया। सुरेश पत्नी उषा, बेटे मुकेश, बहू सावित्री और पोती शीतल (7), आरुषि (3) व पोते रुद्रा (5) के साथ किराये के मकान में रहते हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com
समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।